संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 274
पृष्ठ 8
बुधवार
24 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना दवा-इलाज के कम हो...

विचार- मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी न...

खेल- आईपीएल 2027 का सबसे बड़ा...

फाइलों में अनगिनत नागरिकों की आकांक्षा-जिंदगियां

युवा आईएएस अधिकारियों से पीएम मोदी का संवाद, दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के 'सेवा तीर्थ' में 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में तैनात हैं। इस दौरान युवा अधिकारियों ने अपने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों के कामकाज के अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो साल के जमीनी अनुभव के बाद वे अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां उनके फैसले करोड़ों नागरिकों का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि लोक सेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक स्थितियों को संभालने में है। प्रधानमंत्री ने युवा सिविल सेवकों से राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' का मंत्र देते हुए कहा कि हर प्रशासनिक फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। अधिकारियों को हर फैसला लेते समय नागरिकों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने शासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने 'होल–ऑफ –गवर्नमेंट' यानी पूरे सरकारी तंत्र के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि बड़ी विकास चुनौतियों को अलग–अलग रहकर हल नहीं किया जा सकता। विभागों के बीच बेहतर तालमेल ही सार्थक और स्थायी परिणाम ला सकता है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फैसला देश के विकास में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने को आज की प्राथमिकता बताया। पिछले दशक में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रशासन प्रक्रिया के बजाय परिणामों पर ध्यान देता है। उन्होंने डिजिटल गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक से सेवाओं में पारदर्शिता आई है और नागरिकों का काम आसान हुआ है। डेटा–आधारित शासन पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि डेटा सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह लाखों लोगों की चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से जांचें कि क्या नीतियां जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस बैच में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस बैच में 40 प्रतिशत से अधिक महिला अधिकारी हैं। अंत में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने पद से नहीं, बल्कि अपने काम से मिलने वाले परिणामों से संतुष्ट हों। उन्हें पूरा भरोसा है कि इन युवाओं की ऊर्जा भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राष्ट्रवाद की लौ प्रज्ज्वलित करता रहेगा डॉ. मुखर्जी का बलिदान : सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रखर राष्ट्रवादी व जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, बलदेव सिंह औलख, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, अवनीश सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि ने भी राष्ट्रनायक डॉ. मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी।

नीट विवाद पर धर्मेन्द्र प्रधान का बड़ा हमला, बोले-

राहुल गांधी टुकड़े-टुकड़े ताकतों के साथ

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक विवाद के बीच नीट में बड़े बदलावों की योजना बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला किया है। इंटरव्यू में प्रधान ने कहा कि अगले साल से नीट के कंप्यूटर–बेस्ड फॉर्मेट में बदलने की संभावना है। उन्होंने पेपर माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया और राहुल गांधी पर राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों के बीच डर फैलाने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी को सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। लेकिन उन्हें छात्रों के मन में बेवजह डर पैदा नहीं करना चाहिए। उन्होंने परीक्षा सुधारों, छात्रों की चिंताओं और विरोध प्रदर्शनों पर भी बात की। जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ समूहों का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, ''जो लोग देश को टुकड़े–टुकड़े करना चाहते हैं, वही लोग आज जंतर–मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। (वही लोग जो देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, आज जंतर–मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। क्या वहां कोई छात्र भी है?)

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कई दिनों और रातों से जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। मंत्री ने नागपुर के उस छात्र से जुड़े विवाद पर सबसे कड़ी आलोचना की, जिसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी में आवंटित किया गया था। प्रधान ने दावा किया कि छात्र ने पोर्टल के जरिए खुद अबू धाबी को चुना था और यह पसंद कई बार रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में छात्र ने परिवार से संपर्क किया और छात्र को नागपुर से परीक्षा देने का मौका भी दिया। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब साफ होने के बाद भी, राहुल गांधी ने इस मामले पर एक लंबा मैसेज पोस्ट किया।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सीएम विजय ने विपक्ष पर साधा निशाना

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को विपक्षी डीएमके पर तीखा हमला किया। उन्होंने अपने पूर्व शासनकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार को पार्टी फंड करार दिया। डीएमके सदस्य ने विधानसभा के अंदर इस बयान का जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद वॉकआउट कर गए। विपक्षी डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन ने उस समय कड़ा विरोध दर्ज कराया जब मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि पिछली डीएमके सरकार ने अगलदृ अलग सरकारी विभागों के फंड को पार्टी फंड की ओर डायवर्ट किया था। सदन में विजय के जवाब को रोकने की कोशिश करते हुए उदयनिधि खड़े हुए और अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री को डीएमके के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के बजाय सबूत पेश करने के लिए राजी करें। हालांकि, अध्यक्ष ने विजय के भाषण के दौरान किसी भी तरह के हस्तक्षेप से इनकार किया और कहा कि मुख्यमंत्री को राज्यपाल के विधानसभा अभिभाषण का जवाब पूरा करने दिया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में दीपम विवाद मामला, तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें राज्य की तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने की इजाजत दी गई थी। सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने 11 जून को सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की। सरकारी वकील बी करुणाकरण ने इस याचिका की पुष्टि की है। यह पूरा विवाद पहाड़ी पर स्थित एक पुराने पत्थर के खंभे पर दीप जलाने को लेकर है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने छह जनवरी को अपने आदेश में कहा था कि कार्तिक दीपम त्योहार के दिन वहां दीप जलाया जाना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि वह जगह श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर की है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस मामले में वक्फ बोर्ड का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

राज्य सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस आदेश का विरोध किया है। सरकार का कहना है कि पहाड़ी पर दीप जलाने वाली जगह के पास ही एक दरगाह है। वहां दीप जलाने से सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है और कानून– व्यवस्था बिगड़ सकती है। मंदिर प्रबंधन और दरगाह कमेटी ने भी हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने सरकार की इन चिंताओं को काल्पनिक बताया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार अपनी सुविधा के लिए डर का माहौल बना रही है। कोर्ट के अनुसार, वक्फ बोर्ड का यह दावा भी गलत है कि वह खंभा दरगाह का हिस्सा है। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि सरकार को समुदायों के बीच की दूरी कम करने का प्रयास करना चाहिए था। यह मामला रामा रविकुमार और अन्य लोगों की याचिका के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने हर साल नवंबर–दिसंबर में होने वाले त्योहार के दौरान वहां दीप जलाने की मांग की थी। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया है। इस याचिका में दावा किया गया था कि पश्चिम बंगाल में जिन लोगों के नाम मतदाता सूची के विशेष संशोधन से बाहर कर दिए गए हैं, उन्हें अब राशन लिस्ट से भी हटाया जा रहा है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि मतदाता सूची से बाहर होने की वजह से बहुत से लोगों के राशन कार्ड रद्द होने का खतरा है। इससे गरीब लाभार्थियों को भारी परेशानी हो रही है। इस पर बेंच ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट पूरी तरह काम कर रहा है, इसलिए याचिकाकर्ता को अपनी शिकायत लेकर वहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि राशन कार्ड से जुड़ा मुद्दा एक अलग मामला है। पश्चिम बंगाल के खाद्य और आपूर्ति विभाग ने चार जून को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में अपात्र लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली से हटाने के लिए राज्यव्यापी जांच शुरू करने को कहा गया था। विभाग ने इस प्रक्रिया को मतदाता सूची के नतीजों से जोड़ दिया है।

कांग्रेस की पीएम मोदी को सलाह

ट्रंप को खुश करना बंद करें, देश हित के खिलाफ व्यापार समझौते पर न करें हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर भारत के दौरे पर आए हैं। इस मौके पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करना बंद करना चाहिए। पार्टी के मुताबिक, भारत को किसी ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की कोई जरूरत नहीं है जो देश के हितों के खिलाफ हो। इसको लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को मलेशिया से प्रेरणा लेनी चाहिए। मलेशिया ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमेरिका के साथ अपना व्यापार समझौता रद्द कर दिया था। रमेश ने बताया कि छह फरवरी 2026 को भारत और अमेरिका ने व्यापार पर एक साझा बयान जारी किया था। उस समय राहुल गांधी ने संसद में चीन के मुद्दे पर सरकार को घेरा था। रमेश का आरोप है कि उसी दबाव में यह बयान आया था। इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर टैक्स 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का वादा किया था। बदले में भारत ने अमेरिकी कृषि और औद्योगिक उत्पादों पर टैक्स खत्म करने या बहुत कम करने का वादा किया। साथ ही भारत ने पांच साल में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने की बात कही थी। लेकिन 20 फरवरी 2026 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की टैक्स रणनीति को अवैध घोषित कर दिया। इससे भारत को मिलने वाली छूट रातों–रात खत्म हो गई। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने भारत सहित अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत का अस्थायी टैक्स लगा दिया। इसकी कानूनी समय सीमा 24 जुलाई 2026 को खत्म हो रही है। इसके बाद क्या होगा, इसे लेकर काफी अनिश्चितता है। जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिका अब भारत सहित करीब 60 देशों की जांच कर रहा है।

अमेरिका का आरोप है कि ये देश व्यापार में गलत तरीके अपना रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि अमेरिका इस जांच का इस्तेमाल भारत को डराने के लिए कर रहा है। वह चाहता है कि भारत छह फरवरी वाले समझौते पर औपचारिक रूप से दस्तखत कर दे। रमेश ने इस समझौते को भारत के लिए घाटे का सौदा बताया। उन्होंने कहा कि इससे जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के किसानों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

युद्ध करेंगे...पाकिस्तान की गीदड़ भभकी पर विदेश मंत्रालय का पलटवार, कहा-

दुनिया का ध्यान भटका रहे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने निलंबित सिंधु जल संधि पर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हम युद्ध करेंगे वाले बयान की कड़ी आलोचना की। भारत ने कहा कि ये टिप्पणियां इस्लामाबाद की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की कोशिशें हैं। नई दिल्ली का यह बयान आसिफ की उस धमकी के कुछ ही दिनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान की जल सुरक्षा पर संकट आया तो वह भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ देंगे। इससे पहले, भारत ने कहा था कि सिंधु जल संधि को रोके रखने का उसका फैसला बदला नहीं जाएगा। मंगलवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री की टिप्पणियों के बारे में हमने इस मामले पर रिपोर्ट देखी हैं। ऐसी बातें पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिशें हैं। हम इन मनगढ़ंत दावों को पूरी तरह और पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हैं। जयसवाल ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की उस दशकों पुरानी नीति का सीधा नतीजा है, जिसके तहत वह अपने अवैध और जबरदस्ती किए गए कब्जे वाले इलाकों में लोगों का सुनियोजित आर्थिक शोषण करता है, उन्हें बुनियादी अधिकारों से वंचित रखता है और प्रशासनिक दमन करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों के साथ निंदनीय व्यवहार किया है और अत्यधिक क्रूरतापूर्ण नीतियां अपनाई हैं।

महाराष्ट्र राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- अभी और भी झटके लगेंगे

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य 'जोर का झटका' लगने की वजह से अपना 'मानसिक संतुलन' खो बैठे हैं और उन्हें 'और भी झटके' लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है। विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है। उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, ''सवालों के जवाब देने और 'ध्यानाकर्षण प्रस्तावों'' के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा,'' मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री भी खुद आकर जवाब देते हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।'' शिवसेना नेता ने विरोध कर रहे सदस्यों पर तंज कसते हुए कहा, ''जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।''

विपक्षी खेमे की खाली कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है। उन्होंने संभवतरू शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के बुधवार को पाला बदलकर शिवसेना में शामिल होने का संदर्भ देते हुए कहा, ''कल उन्हें जोर का झटका लगा।

पांच दिन से कैथलैब की मशीन खराब

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में पिछले पांच दिनों से कैथलैब की मशीन खराब है। इस वजह से हृदय रोगियों की एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी ठप हो गई है। पिछले साल भी गर्मी के दिनों में एसी खराब होने की वजह से कैथलैब ठप पड़ गई थी। कैथलैब में रोजाना आठ से 10 हृदय रोगियों की एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी होती है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से बताया जा रहा है मशीन ठीक होने में सात से आठ दिन का समय लग सकता है। इस संबंध में हृदय रोग विशेषज्ञ अभिषेक सचदेवा का कहना है कि कैथलैब बंद होने की वजह से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से युवती की मौत

प्रयागराज। पटेलनगर गांव में रविवार की दोपहर कार की चपेट में आने से बाइक सवार युवती की मौत हो गई। परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। थरवई थाना क्षेत्र के मेडुआ सहसो निवासी निर्मला देवी पत्नी लालचंद्र की 20 वर्षीय बेटी मनीता अपने चचेरी बहन शिवानी वर्मा के साथ बाइक से पटेलनगर गांव में दवा लेने जा रही थी। पटेलनगर चौराहे के पास पहुंचने पर तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दौरान मनीता की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर रंजिश में हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। एसओ झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

मॉकड्रिल में गैस रिसाव से बचाव के तरीके बताए

प्रयागराज। पीटी क्लोरीनीकरण संयत्र में सोमवार को क्लोरीन गैस रिसाव की आपातकालीन स्थिति का अनुकरण के लिए मॉकड्रिल किया गया। इस दौरान बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया गया। मौके पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एनएन सिन्हा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के आरए शुक्ला और मेजा अग्निशमन इकाई के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

रुक्मिणी विवाह का किया भावपूर्ण वर्णन

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के कटनई गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में स्वामी आत्मानंद सरस्वती महाराज ने रुक्मिणी विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह प्रेम, श्रद्धा और अटूट विश्वास का प्रतीक है। रुक्मिणी विवाह प्रसंग मनुष्य को धर्म, भक्ति, समर्पण एवं सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा के मुख्य यजमान पंडित राधे कृष्ण मिश्रा एवं राम कुमारी मिश्रा रहे। इस दौरान विकास मिश्रा, जोखू लाल तिवारी, विजय मिश्रा, पूर्व प्रमुख पुरुषोत्तम पांडेय और दिनेश द्विवेदी रहे।

जसरा को नगर पंचायत बनाए जाने की मांग

प्रयागराज। जसरा को नगर पंचायत बनाए जाने के लिए व्यापारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने विधायक डॉ.वाचस्पति को पत्र सौंपा। व्यापारियों ने बताया कि जसरा नगर पंचायत मानक को पूरा कर रहा है। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख राधा कोटार्य ने कहा कि जसरा को नगर पंचायत बनाए जाने से जसरा के साथ–साथ आसपास के गांवों का विकास होगा। जसरा ग्राम प्रधान आशीष सोनकर ने बताया कि जसरा नगर पंचायत की सभी कोरम को पूरा करता है, इसलिए नगर पंचायत बनाए जाने की लड़ाई शुरू की जाएगी।

शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कर निकाली कलश यात्रा

प्रयागराज। स्थानीय बाजार में बीआरसी कार्यालय के सामने नवनिर्मित श्री शिव शक्ति मनोकामना धाम मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई । कलश यात्रा नवनिर्मित मंदिर से होते हुए घूरपुर चौराहे के प्राचीन शिव मंदिर होकर वापस नवनिर्मित मंदिर पर संपन्न हुई। आयोजक लल्ला केसरवानी ने बताया कि घूरपुर बाजार में मंगलवार को शिव बरात निकाली जाएगी। इस दौरान मुख्य यजमान मुन्ना केसरवानी, नीतू केसरवानी , शिवकुमार, रानी केसरवानी, सुरेश केसरवानी आदि मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश पर 13 आरोपियों पर प्राथमिकी

प्रयागराज। थाना बहरिया क्षेत्र के अभईपुर गांव में रास्ते के विवाद में दिव्यांग और उसकी भाभी की पिटाई करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर 13 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अभईपुर निवासी विनोद कुमार का आरोप है कि 9 फरवरी को राममूरत, रामनिहोर, रामचन्द्र, दीपचन्द्र, प्रेमचन्द्र व रामचन्द्र आदि ने सार्वजनिक रास्ते में दीवार बना रहे थे। जिसका विरोध करने पर आरोपियों ने एकमत होकर दिव्यांग विनोद व उसकी भाभी तारा देवी को गाली देते हुए मारपीट की। विनोद के पुलिस से शिकायत करने पर दस फरवरी को दिव्यांग विनोद कुमार व उसकी भाभी तारादेवी को दोबारा लाठी–डंडों से पीटा गया।

पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी जिसपर कार्रवाई नहीं की गई। जिस पर पीड़ित ने न्यायालय में गुहार लगाई। न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश पर बहरिया पुलिस ने राममूरत, दीपचन्द्र, सुनील कुमार, प्रेमचन्द्र, सीतादेवी, मंगला देवी, मनीषा देवी, इमरती देवी, रीता देवी, कोमल, नेहा कुमारी, रामनिहार, ज्ञानचन्द के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बड़े हनुमान मंदिर में कॉरिडोर का काम अंतिम चरणों में, गर्भगृह निर्माण शुरू

प्रयागराज। संगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर में कॉरिडोर का काम अब अंतिम चरणों में है वहीं, गर्भगृह निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है। महंत बलबीर गिरि महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर के चारों ओर नए निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं।

ऐसे में दर्शन व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए हैं। दर्शन के लिए टीन शेड की व्यवस्था की गई है। उन्होंने दर्शनार्थियों से आग्रह किया कि वे निर्धारित मार्ग से सीधे मंदिर पहुंचें। दर्शन करें और उसी मार्ग से बाहर निकलें। सभी भक्त सुरक्षा नियमों का पालन करें। दो वर्षों से चल रहा कॉरिडोर निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है।

कालिंदीपुरम में केबल में आग लगने से बिजली आपूर्ति ठप, 15 घंटे तक जूझे लोग

प्रयागराज। कालिंदीपुरम उपकेंद्र क्षेत्र में सोमवार को 11 केवी अंडरग्राउंड केबल में भीषण आग लग गई। इससे 70 हजार से अधिक आबादी 15 घंटे तक बिजली संकट से जूझती रही। सुबह करीब आठ बजे बाधित हुई बिजली आपूर्ति देर रात तक बहाल नहीं हो पाई थी। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

आग इतनी भीषण थी कि इसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। बिजली गुल होने से द्वारका, बरसाना, राधाकुंज, मौसम विहार, मंगल विहार, जागृति विहार, बुद्ध विहार, नंदगांव और ग्रीन वैली जैसे कई इलाके प्रभावित हुए। भीषण गर्मी के बीच लोगों को दिनभर पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ा। मोटर न चलने से पानी की टंकियां खाली हो गईं।

ग्रीन वैली कॉलोनी के निवासी एमके सिंह ने बताया कि सुबह आठ बजे से बिजली आपूर्ति बाधित रही जो देर रात तक बहाल नहीं हुई। नामित पार्षद अखिलेश सिंह ने जानकारी दी कि बिजली बाधित होने के कारण कई क्षेत्रों में पानी का संकट गहरा गया। लोगों की परेशानी को देखते हुए पंचवटी कॉलोनी, विजन प्वाइंट, कालिंदीपुरम और राधाकुंज पार्क के पास टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया गया।

बिजली न रहने से पानी की टंकी खाली हो गई। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। पूरे दिन पानी के इंतजाम में लगे रहे। – जेपी तिवारी, कालिंदीपुरम जागृति समिति अध्यक्ष

भीषण गर्मी में घंटों बिजली गुल रहने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया। इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे रात तक परेशानी बनी रही।–राजेश मिश्रा, मंगल विहार कॉलोनी

पुलिया के नीचे 11 केवी की अंडरग्राउंड केबल में आग लगने से चारों फीडरों की केबल और स्पेयर केबल भी जल गई है। कर्मचारियों को मरम्मत कार्य में लगाया गया है। आपूर्ति जल्द सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे। शैलेंद्र सिंह, एसडीओ कालिंदीपुरम

पुराने शहर में भी गुल रही बत्ती

बैरहना क्षेत्र में दोपहर करीब एक बजे से तीन बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। रामबाग, कीडगंज, गऊघाट, मुट्ठीगंज, गाजीगंज मंडी, कटघर, साउथ मलाका, राजा बनारस की कोठी और शाहगंज समेत कई इलाकों में दिनभर चार से पांच बार आधे घंटे से दो घंटे तक बिजली आती–जाती रही। कल्याणी देवी, अतरसुइया, रानीमंडी और मीरापुर क्षेत्रों में सुबह से देर रात तक बार–बार बिजली कटौती होती रही। दरियाबाद और कटहरा में सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इसके अलावा दिनभर एक से दो घंटे तक बिजली आती जाती रही।

मॉकड्रिल के दौरान फायर पाइप खुलने से एसआरएन अस्पताल में भरा पानी, मची अफरातफरी

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में मार्क ड्रिल के दौरान फायर पाइप अस्पताल की नई बिल्डिंग के ओपीडी पर्ची काउंटर समेत सभी कमरों में और बरामदों में पानी भर गया। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में उसे वक्त अफरातफरी मच गई जब मॉकड्रिल के दौरान सुपर स्पेशलिस्ट बिल्डिंग में लगा फायर पाइप खुल गया। इसके बाद बिल्डिंग में हर तरफ पानी ही पानी भर गया। ओपीडी, डायलिसिस, सीटी स्कैन, एक्स–रे और रजिस्ट्रेशन काउंटर के आसपास भयंकर पानी भर गया। इस दौरान मरीज व तीमारदारों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा। सुबह करीब 10रू30 स्वरूप रानी अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक नीलम सिंह फायर सिस्टम को चेक करने के लिए सुपर स्पेशलिस्ट बिल्डिंग पहुंची थी।

इस दौरान प्लास्टिक सर्जरी विभाग के पास बने पंप हाउस की पाइप लीक कर रही थी देखते ही देखते पाइप फट गई और चारों तरफ पानी फैल गया। वही आनंद फॉर्म की स्थिति में सभी सफाई कर्मियों को पानी निकालने के लिए लगाया गया पानी निकालने में सफाई कर्मियों को कड़ी मशक्कत उठानी पड़ी करीब दो से ढाई घंटे लग गए पानी को बिल्डिंग से बाहर निकलने में। बता दे की फायर सिस्टम को लेकर मॉक ड्रिल फरवरी 2026 में हुई है। वही स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय की फायर एनओसी आज तक अस्पताल प्रशासन को नहीं मिली है।

खामियों की जांच थमी, कार्रवाई की आंच पर फेरा पानी

प्रयागराज। मई में सिविल लाइंस स्थित एक होटल में भीषण आग लगी थी। घटना के बाद कुछ प्रतिष्ठानों में आग से बचाव के इंतजाम परखे गए। कुछ ही दिनों में खामियों की जांच थम गई। किसी पर आंच आती, उससे पहले ही पूरी कवायद पर लापरवाही और अनदेखी का पानी फेर दिया गया। होटल में लगी आग पर समय रहते काबू न पाया गया होता तो बड़ी जनहानि होती। इस घटना ने शहर के प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की हकीकत उजागर कर दी थी। हालात में सुधार अभी भी नहीं है। बड़ी संख्या में इमारतें लाक्षागृह की तरह बनी हुई हैं। इनमें अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। इसके बाद दिल्ली के एक होटल में अग्निकांड हुआ। अग्निशमन विभाग ने फिर जांच अभियान चलाया। उस दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले तीन कोचिंग सेंटरों को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सहयोग से सील भी कराया। इसके बाद अभियान की रफ्तार थम गई। शहर में बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटरों, हॉस्टलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण व आग से बचाव के अन्य इंतजाम नाकाफी हैं। प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें से कई संस्थान बहुमंजिला इमारतों में संचालित हैं। यहां आपातकालीन निकास, फायर अलार्म, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा मानकों की स्थिति को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अग्नि शमन विभाग की जांच में भी खामियां मिली हैं, लेकिन कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई। सवाल यह है कि हादसे के बाद ही विभागों को कार्रवाई की याद क्यों आती है? कार्रवाई के नाम पर जो खानापूर्ति की जाती है, उसके बाद क्या होता है? जहां कार्रवाई की गई वहां मानक पूरे किए गए या नहीं, इसकी निगरानी की क्या व्यवस्था है? ये सूचनाएं आमजनता के लिए सार्वजनिक क्यों नहीं की जातीं?

मंगलवार सुबह से टैगोर टाउन, सिविल लाइंस, कर्नलगंज समेत विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। फायर एनओसी, अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास मार्ग और भवन की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जाएगी। मानकों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई होगी। इसके अलावा सभी फायर स्टेशन से जांच का विस्तृत ब्योरा निर्धारित प्रारूप में मांगा है। – चंद्र मोहन शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

पुलिस की सुस्ती से कोर्ट खफा, सात तारीखें बीतीं...पेश नहीं हुई आख्या

प्रयागराज। जिला अदालत की ओर से मांगी गई अद्यतन आख्या तहसील बारा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ने सात तारीखों के बाद भी पेश नहीं की। इससे खफा कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट और मारपीट के आरोपी की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। साथ ही विवेचक सहायक पुलिस आयुक्त को कड़ी फटकार लगाई।

यह आदेश एससी/एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश कुमार मयंक की अदालत ने उज्ज्वल सिंह की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने पत्रावली में पाया कि विवेचक ने मामले में गंभीर धाराओं को कम किया था। इस पर शिकायतकर्ता ने आपत्ति जताई तो अपर पुलिस आयुक्त यमुनानगर के आदेश पर मामले की जांच पूर्व विवेचक से लेकर बारा के सहायक पुलिस आयुक्त को सौंपी गई थी। इसके बाद भी जांच की ताजा स्थिति स्पष्ट नहीं थी। लिहाजा कोर्ट ने विवेचक से जांच की अद्यतन आख्या तलब की। इसके बाद सात तारीखें बीत गईं लेकिन जांच की अद्यतन आख्या पेश नहीं की गई। यहां तक 19 जून को अनिवार्य रूप से आख्या पेश करने का निर्देश दिया गया। शाम करीब पौने चार बजे तक अदालत ने इंतजार किया लेकिन आख्या पेश नहीं की गई। लिहाजा, विवेचक की सुस्ती से खफा अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया।

मामला थाना औद्योगिक क्षेत्र नैनी का है। शिकायतकर्ता अमित कुमार ने एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि 27 दिसंबर की रात रामपुर चौराहे पर आरोपी उज्ज्वल ने उसके साथ मारपीट की। जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। जब वह अपने परिजनों के साथ उलाहना देने आरोपी के घर पहुंचा तो उसने उनपर गाड़ी चढ़ा दी। वह और उसके साथ गए अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया था। आरोपी ने कोर्ट में दलील दी कि उस पर लगे आरोप में सजा सात साल से कम है इसलिए वह जमानत का हकदार है।

जिले की अनुमानित आबादी 71 लाख, आंकड़ों में होगा बदलाव

प्रयागराज। जनगणना–2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और गणना के आधार पर जिले की आबादी 71 लाख होने का अनुमान है लेकिन यह आंकड़े अंतिम नहीं हैं। दूसरे चरण की जनगणना के बाद इसमें बदलाव होगा। वहीं, मकानों की संख्या 12.14 लाख गिनी गई है। दरअसल, मकान सूचीकरण व गणना का कार्य इसी उद्देश्य से कराया गया कि मकानों की सही संख्या सामने आ सके। जनगणना के दौरान सभी मकानों में अलग से जनगणना नंबर भी दर्ज किए गए। वहीं, इस दौरान परिवार के मुखिया से परिवार के कुल सदस्यों की संख्या भी पूछी गई। मुखिया की ओर से बताई गई संख्या के आधार पर जिले की आबादी 71 लाख होने का अनुमान है लेकिन आंकड़ों में अभी बदलाव होगा क्योंकि सड़क किनारे, रेलवे व बस अड्डों पर रात बिताने वालों की गिनती नहीं की गई है। यह गणना फरवरी–2027 से शुरू होने वाली दूसरे चरण की जनगणना में की जाएगी। पहले चरण में सैन्य क्षेत्र को प्रतिबंधित मानते हुए मकान सूचीकरण व गणना का कार्य नहीं कराया गया। दूसरे चरण में सैन्य क्षेत्र में भी जनगणना कराई जाएगी। इसके अलावा कई लोगों ने तमाम आशंकाओं के कारण घर के सदस्यों की सही संख्या की जानकारी भी नहीं दी है। दूसरे चरण की जनगणना में जब एक–एक व्यक्ति की गणना होगी तो आबादी के सटीक आंकड़े सामने आएंगे और दूसरे चरण की जनगणना के बाद आबादी 75 लाख से अधिक होने का अनुमान है।

व्यवस्था विकलांग... प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे मानसिक दिव्यांग

प्रयागराज। प्रयागराज समेत आसपास के जिलों में नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की कमी से मानसिक रोगियों को परेशानी हो रही है। उन्हें दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) तक जाना पड़ रहा है। लंबे समय से समस्या बनी हुई है। कौशाम्बी, प्रयागराज और प्रतापगढ़ तीनों जिलों में केवल एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक है। यहां हर हफ्ते 50 से अधिक मानसिक रोगियों की काउंसिलिंग होती है। डॉक्टर न होने की वजह से इस काम में बाधा आ रही है। सबसे अधिक समस्या प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही है।

दरअसल, गैर संचारी रोग कार्यक्रम से जुड़ी नैदानिक मनोवैज्ञानिक ईशान्या राज ने चार अप्रैल 2025 को मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कौशांबी में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अधीन कार्यरत नैदानिक मनोवैज्ञानिक पंकज कौटार्य को प्रयागराज से संबद्ध कर दिया गया। वे हफ्ते में एक दिन बुधवार को प्रयागराज में सेवाएं देते हैं। सोमवार को कौशांबी में जांच करते हैं। प्रतापगढ़ में कोई व्यवस्था न होने के कारण वहां के मानसिक रोगियों को भी जांच के लिए प्रयागराज भेजा जाता है।

प्रयागराज में सोमवार को सीएमओ कार्यालय में दिव्यांग बोर्ड की बैठक होती है। इसके बाद मानसिक रोगियों को कॉल्विन अस्पताल भेजा जाता है, जहां बुधवार को नैदानिक मनोवैज्ञानिक जांच करते हैं। इस व्यवस्था के कारण प्रतापगढ़ के अधिकतर मानसिक रोगियों को केजीएमयू रेफर करना पड़ता है। समय पर जांच न होने से कई रोगियों के यूडीआईडी कार्ड भी नहीं बन पा रहे हैं, जिससे वे सरकारी लाभों से वंचित रह जाते हैं। नैदानिक मनोवैज्ञानिक मानसिक, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों के साथ काम करते हैं। वे मनोवैज्ञानिक संकट को कम करने में सहायता करते हैं। साथ ही मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी विशेषज्ञता मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक है।

कौशांबी, प्रयागराज व प्रतापगढ़ में सिर्फ एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक है। मानसिक रोगियों को प्रयागराज के अलावा लखनऊ के केजीएमयू जांच के लिए भेजना पड़ता है। यहां के लिए एक और नैदानिक मनोवैज्ञानिक की मांग की गई है। –डॉ. नवीन गिरी, नोडल, दिव्यांग बोर्ड, सीएमओ कार्यालय।

सामूहिक विवाह की गूंजी शहनाई, 140 जोड़ों ने थामा एक–दूसरे का हाथ

प्रयागराज। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार को सोरांव के मेवालाल इंटर कॉलेज में 140 जोड़े एक दूसरे संग सात जन्मों के बंधन में बंध गए। शहनाइयों की मधुर धुन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जोड़ों ने नए जीवन की शुरुआत की। समारोह में विकास खंड कौड़िहार के 14, शृंग्वेरपुरधाम के 29, भगवतपुर के 12, सोरांव के 19, होलागढ़ के 33, मऊआइमा के 30 तथा लालगोपालगंज के तीन जोड़ों सहित कुल 140 जोड़ों का विवाह कराया गया। कार्यक्रम में विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी और ब्लॉक प्रमुख सोरांव प्रदीप कुमार पासी समेत अन्य अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा संबंधित विकास खंडों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नवीन चौधरी ने किया।

शिव गौतम के प्रदर्शन से भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब की जीत

प्रयागराज। डीएवी कॉलेज मैदान पर भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब ने प्रयाग क्रिकेट क्लब को आठ विकेट से हराकर संजय मेहरोत्रा स्मारक अंडर–14 क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मैच में पूरे अंक हासिल कर लिए। भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब की इस जीत में शिव गौतम (142 रन नाबाद, 80 गेंद, 13 चौके व 10 छक्के व 6–0–27–3) का शानदार प्रदर्शन रहा। प्रयाग क्रिकेट क्लब ने 30 ओवर में 205 रन बनाए। जवाब में भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब की टीम ने 21.4 ओवर में 206 रन बना लिए।

होम स्टे के बदले नियम, आठ कमरे तक करा सकेंगे पंजीकृत

प्रयागराज। शहरी क्षेत्रों में होम स्टे इकाइयों के पंजीकरण नियमों में पर्यटन विभाग ने महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब इन इकाइयों में न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरे या सोलह शैय्या तक पंजीकृत कराए जा सकेंगे। इससे पहले अधिकतम छह कमरों को ही किराये पर देने की अनुमति थी। नए नियमों के अनुसार होम स्टे इकाई का संचालन स्वामित्व वाली या विकास प्राधिकरण से लीज पर प्राप्त भूमि पर निर्मित आवासीय भवन में ही होगा। इकाई के मालिक या उनका परिवार भौतिक रूप से उसमें निवास करेगा। बी एंड बी (बेड एंड ब्रेकफास्ट) श्रेणी के तहत भी अधिकतम आठ कमरे पंजीकृत किए जा सकेंगे। इन इकाइयों में घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आवास के साथ नाश्ता और भोजन की सुविधा मिलेगी। इकाई में केयर टेकर का निवास अनिवार्य होगा। लीज पर लिए गए भवन की लीज अवधि न्यूनतम तीन वर्ष होनी चाहिए। सोलह बेड वाली डॉरमेट्री (सामूहिक शयनकक्ष) भी इस श्रेणी में पात्र मानी जाएगी।

योग दिवस पर बताया योग का महत्व

करछना। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज में योगा कार्यक्रम के दौरान योगाचार्य डॉ. के.के. त्रिपाठी ने विविध प्रकार के योग सिखाते हुए उनके महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर उन्होंने शवासन, हलासन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम मण्डूक आसन एवं मयूरासन सहित विविध प्रकार के योग,आसान सिखाते हुए प्रातः योग क्रिया

करने से होने वाले कई प्रकार के लाभ के बारे में जानकारी दी। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि आज के माहौल में रोग मुक्त स्वास्थ्य के लिए अब जरूरत है कि हम योग को अपने नित्य क्रिया में शामिल कर प्रतिदिन इसका अभ्यास करें, जिससे तन मन स्वस्थ होगा और कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिल सकती है। इस मौके पर शिक्षक, कर्मचारी और एन.सी.सी के बच्चे मौजूद रहे।

15 वर्षों की सेवाओं के बाद मंडलीय अध्यक्ष पद से डॉ. अखिलेश यादव का त्यागपत्र

मथुरा। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल के मंडलीय अध्यक्ष डॉ. अखिलेश यादव, प्रधानाचार्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दघेंटा, बलदेव (मथुरा) ने पदोन्नति के उपरांत नैतिक आधार पर अपने संघीय पद से त्यागपत्र दे दिया है। डॉ. अखिलेश यादव ने लगभग 15 वर्षों तक मंडलीय अध्यक्ष के रूप में संगठन की सेवा करने के बाद अपना त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार भड़ाना एवं प्रदेश महामंत्री रवि भूषण को प्रेषित किया। उन्होंने त्यागपत्र के माध्यम से संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि ष्संगठन हमसे नहीं, हम संगठन से हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के हितों के लिए समर्पण तथा शोषण के विरुद्ध संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा। त्यागपत्र भेजने से पूर्व उन्होंने मंडलीय मंत्री चंद्रवीर सिंह को भी अपने निर्णय से अवगत कराया। गौरतलब है कि 23 जून 2026 को मथुरा में राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश का प्रांतीय चिंतन शिविर आयोजित होने जा रहा है। शिविर में प्रदेश के सभी जिलों से जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल मंत्री भाग लेकर संगठन के विभिन्न विषयों पर चिंतन और मंथन करेंगे। डॉ. अखिलेश यादव का यह निर्णय संगठनात्मक नैतिकता एवं आदर्श नेतृत्व का उदाहरण माना जा रहा है, जिसकी शिक्षक समाज में व्यापक चर्चा हो रही है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना खण्ड के ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रेग्युलेशन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
16093	चेन्नै सेन्ट्रल	लखनऊ जं.	इटारसी-बीना-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन-कानपुर सेन्ट्रल	14.07.26, 18.07.26
12943	वलसाड	कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-बीना-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेन्ट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन-कानपुर सेन्ट्रल	15.07.26
12944	कानपुर सेन्ट्रल	वलसाड	कानपुर सेन्ट्रल-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेन्ट्रल-जबलपुर-ओहन-इटारसी	17.07.26
14115	डॉ. अम्बेडकर नगर	प्रयागराज	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	बीना-दमोह-कटनी मुड़वारा-मानिकपुर	18.07.26 से 20.07.26
14116	प्रयागराज	डॉ. अम्बेडकर नगर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	17.07.26 से 21.07.26
19483	अहमदाबाद	सहरसा	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	बीना-दमोह-कटनी मुड़वारा-मानिकपुर	18.07.26 से 20.07.26
19484	सहरसा	अहमदाबाद	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	17.07.26 से 19.07.26
19436	आसनसोल	अहमदाबाद	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-बीना	मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-दमोह-बीना	18.07.26
22129	लोकमान्य तिलक (ट.)	अयोध्या कैंट	इटारसी-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	14.07.26, 19.07.26
01027	दादर	गोरखपुर	इटारसी-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	14.07.26 से 19.07.26
01025	दादर	बलिया	इटारसी-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर	इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर	13.07.26 से 17.07.26
01026	बलिया	दादर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-इटारसी	मानिकपुर-सतना-जबलपुर-इटारसी	17.07.26 से 19.07.26
01028	गोरखपुर	दादर	मानिकपुर-खजुराहो-ललितपुर-इटारसी	मानिकपुर-सतना-जबलपुर-इटारसी	18.07.26

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	रेग्युलेशन का समय	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01028	गोरखपुर	दादर	खजुराहो-बिरारी के मध्य 30 मिनट	09.07.26
01026	बलिया	दादर	खजुराहो-बिरारी के मध्य 45 मिनट	12.07.26
12173	लोकमान्य तिलक (ट.)	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं.	झाँसी मण्डल पर 110 मिनट	12.07.26
01073	लोकमान्य तिलक (ट.)	बनारस	पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मि. एवं झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	16.07.26
22584	लोकमान्य तिलक (ट.)	छपरा	झाँसी मण्डल पर 40 मिनट	16.07.26
19167	अहमदाबाद	वाराणसी सिटी	झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	11.07.26, 13.07.26, 14.07.26
19165	अहमदाबाद	दरभंगा	झाँसी मण्डल पर 60 मि.	10.07.26, 15.07.26
			पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मि. एवं झाँसी मण्डल पर 50 मिनट	19.07.26
11407	पुणे	लखनऊ जं.	झाँसी मण्डल पर 15 मि.	14.07.26
07075	हैदराबाद	गोरखपुर	झाँसी मण्डल पर 40 मि.	10.07.26
20416	इन्दौर	वाराणसी	झाँसी मण्डल पर 60 मि.	20.07.26

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1414/26(MG)

मलेशिया के कुआलंपुर में 5वां आध्यात्मिक समागम धूमधाम से मनाया गया

सत्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने विश्व शांति, आध्यात्मिक जागरूकता और समाज सेवा पर प्रवचन दिए

कुआलालंपुर, (मलेशिया) ।श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के 9वें पीठाधिपति व उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन सत्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता भौगोलिक सीमाओं से परे है और दुनिया भर में भाईचारे और शांति की नींव की जरूरत है।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम मलेशिया शाखा ने रविवार, 21 जून 2026 को कुआलालंपुर के ब्रिकफील्ड्स में शिरडी साईं बाबा सोसाइटी परिसर में अपना ऐतिहासिक 5वां आध्यात्मिक समागम सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इस विशाल आयोजन में बतौर मुख्य अतथि श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के 9वें पीठाधिपति व उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन सत्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने अपने दिव्य प्रवचन में, सत्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने ज़ोर दिया कि उन्होंने आज की पीढ़ी को मकसद वाले और इंसानी कामों की ओर गाइड करने के लिए साइंटिफिक सोच को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ जोड़ने की अहम भूमिका की जरूरत पर ज़ोर दिया। उनके नेतृत्व में सक्रिय, उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट सीमाओं के विशाल पैमाने पर ग्रामीण स्वास्थ्य, आहार और शैक्षणिक कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

शाम पांच बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में जाने–माने अंतरराष्ट्रीय नेता, प्रशासनिक गणमान्य लोग, आध्यात्मिक साधक और समाज सेवा के सदस्य दुनिया भर में सांस्कृतिक मेलजोल और गहरी आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर इकट्ठा हुए।

कार्यक्रम का प्रारंभ एक पवित्र, दिल को छू लेने वाली प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद साझा सभ्यता की विरासत को दिखाते हुए कई शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। जाने–माने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य लोगों ने, प्रेरित युवाओं के साथ, सामुदायिक सद्भावना और मूल्यों पर आधारित जीवन पर सूचनाप्रद भाषण दिए।

इस कार्यक्रम में मलेशिया और भारत के जाने–माने राजनीतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रमुख शामिल हुए, जिनमें मुख्य हैंरू माननीय सांसद और मलेशिया के नेशनल यूनिटी के पूर्व उप मंत्री सीनेटर वाई. बी. सरस्वती कंडास्वामी , गिड्डुगु फाउंडेशन की जानी–मानी फाउंडर और प्रेसिडेंट श्रीमती गिड्डुगु कांति कृष्ण, तेलुगु एसोसिएशन ऑफ मलेशिया (टीएएम) के जाने–माने पूर्व प्रेसिडेंट और एडवाइजर डॉ. अचिया कुमार, शिरडी साईं बाबा सोसाइटी, मलेशिया के डिप्टी चेयरमैन राज कुमार, इनोवेटज ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के प्रोग्रेसिव फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर निखिल गुप्ता,टीएएम के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. कौसेल्याह जुवाल और जेइनस इंटरनेशनल की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. तज़ीन। इस कार्यक्रम में मौजूद जिससे सभी लोगों, आध्यात्मिक प्रतिनिधियों तथा कम्युनिटी के प्रतिनिधियों को करीब से बातचीत करने का मौका मिला। आयोजकों ने मेजबानी करने के लिए शिरडी साईं बाबा सोसाइटी के प्रति आभार व्यक्त किया और ऐतिहासिक कार्यक्रम को बिना किसी रुकावट के पूरा करने के लिए स्थानीय स्वयंसेवकों की सराहना की।

आरेडिका में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का जिला स्तरीय योग शिविर का समापन

रायबरेली। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तर रेलवे, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली जिला संघ द्वारा जिला प्रशिक्षण केन्द्र में दिनांक 19 जून से 23 जून, 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय योग शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर का उद्घाटन प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव द्वारा योग जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली के माध्यम से प्रतिभागियों ने योग, स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जन–जागरूकता का संदेश दिया।

शिविर में कुल 46 स्काउट्स एवं गाइड्स ने सहभागिता की। पांच दिनों तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान प्रतिदिन योग एवं ध्यान सत्रों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त योग नृत्य प्रतियोगिता, योग जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन, योग प्रश्नोत्तरी, "खेल–खेल में योग" गतिविधि, योग जागरूकता रैली तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 21 जून को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में हुए योग जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम में आभा जैन प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहीं। 22 जून को समापन अवसर पर कैम्प फायर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट्स एवं गाइड्स ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि एन. के. वर्मा, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर रहे। इस अवसर पर नीरज श्रीवास्तव, सहायक जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, सुह्वता खान, सहायक जिला आयुक्त (गाइड) एवं सहायक वित्त सलाहकार, अनिल श्रीवास्तव जिला मुख्यालय आयुक्त एवं जन सम्पर्क अधिकारी तथा दिनेश कुमार सहायक सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर उपस्थित रहे। शिविर का सफल संचालन शबीना बानो, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) के नेतृत्व में किया गया। उन्हें दीपक कुमार, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट), रोशन कुमार वर्मा (रोवर), मनीष कुमार (रोवर स्काउट लीडर), आदित्य प्रकाश (जिला सचिव), सोनी कुमारी (गाइडर), आकाश कुमार (स्काउटर), विश्वेश्वर (योग प्रशिक्षक) एवं पल्लवी गुप्ता (गाइडर) का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों के लिए स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था संतराम प्रजापति द्वारा की गई, जिसमें शरण मंडल एवं शिल्पी मंडल का सराहनीय सहयोग रहा। अपने समापन संदेश में वक्ताओं ने कहा कि यह योग शिविर केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन जीने की एक पहल है। इस प्रकार के शिविर युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं टीम भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजकों ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर को पूर्णतः सफल एवं प्रेरणादायी बताया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन, केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजय सिंह नेगी की अध्यक्षता में दिनांक 23.06.2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) महोदय ने कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पक्ष की अनदेखी न हो, यह सुनिश्चित करना हम सबका दायित्व है। बैठक के दौरान कार्यालय के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रगति की समीक्षा की गई। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे दैनिक कार्यों, पत्राचार, नोटिंग एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग मुनिश्चित करें। उन्होंने

कहा कि राजभाषा का प्रभावी क्रियान्वयन प्रशासनिक कार्यों को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा। बैठक में राजभाषा संबंधी आगामी गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों पर भी चर्चा की गई तथा सभी विभागों से निर्धारित समय सीमा के भीतर राजभाषा लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

इससे पूर्व उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री बृजेश चौधरी ने सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन में हिंदी के प्रयोग–प्रसार में निरंतर प्रगति हो रही है, किंतु अभी भी कुछ गुंजाइश है जबकि उद्देश्य है कि सरकारी कामकाज में सामान्यतः हिंदी का प्रयोग हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में कोई भी भाषा वैज्ञानिक सूचना, प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी विषयों से जुड़े बिना पनप नहीं सकती है। इसलिए कंप्यूटर, ई–मेल, ई आफिस तथा वेवसाइट में हिंदी का अधिक में अधिक प्रयोग बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही मूल रूप से हिंदी में टिप्पणी लेखन तथा पत्राचार भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

बैठक में मुख्यालय के विभागाध्यक्ष श्री डी. बी. सिंह, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं राजभाषा से जुड़े संपर्क अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं सदस्य–सचिव श्री बृजेश चौधरी द्वारा किया गया।

गेंदा पावन फूल

गेंदा पावन फूल है,गुण से है संपन्न।
जिसकी हर इक पंखुरी, सबको रखे प्रसन्न।
सबको रखे प्रसन्न, सभी का साथी बनकर।
निर्धनता कर दूर, बाँटता दौलत भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता कभी झमेला।
दुखिया की सुन बात, उसे सुख देता गेंदा।।

गहरा अर्थ समेट कर, रखे कबीरी भाव।
कहते हैं गेंदा उसे, दूर करे भटकाव।
दूर करे भटकाव, फूल हैं जिसके सुन्दर।
औषधि के ही साथ, रखे जो खुशबू अन्दर।
सुन लो कहें प्रदीप, पढ़ाकर प्रेम–ककहरा।
दुख करता है गौण, समीक्षा करके गहरा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अंतिम बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में लगी भीड़, दर्शन-पूजन के लिए लंबी कतारें

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ज्येष्ठ माह के आठवें और अंतिम बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में भीड़ है। सुबह 4 बजे से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमान मंदिरों में दर्शन और पूजा–अर्चना के लिए पहुंचने लगे। शहर के प्रमुख मंदिरोंकृहनुमत धाम, हनुमान सेतु, अलीगंज स्थित श्री महावीर हनुमान मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर सहित सभी हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। भक्तों ने बजरंगबली के दर्शन कर सुख–समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। आज शहर में 1000 हजार से ज्यादा भंडारे हो रहे हैं। मुख्य मार्गों से लेकर मोहल्ले की गलियों तक में भंडारे लगे हैं। शहरभर के मंदिरों में भक्तों के जयकारे और लाउडस्पीकर पर बज रहे भजनों से माहौल भक्तिमय है। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर और दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा है।

एफडी घोटाले पर दूसरे दिन भी हंगामा, बैंक में ताला लगाकर खाताधारकों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के मोहन रोड स्थित शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर में संचालित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में कथित एफडी घोटाले को लेकर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी खाताधारकों का प्रदर्शन जारी रहा। बैंक खुलते ही बड़ी संख्या में पीड़ित खाताधारक शाखा के बाहर एकत्र हो गए और बैंक में ताला लगाकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बैंक मित्र शिवा राव और उसके साथी दीपक ने अधिक ब्याज का लालच देकर एफडी के नाम पर लाखों रुपये जमा कराए थे, लेकिन उनकी जमा राशि सुरक्षित नहीं रही। उनका कहना है कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद अभी तक पीड़ितों को उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिली है। खाताधारकों ने बताया कि 22 मई को बैंक के प्रधान कार्यालय में अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि 22 जून तक सभी पीड़ितों का पैसा लौटा दिया जाएगा। हालांकि, निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ। इसी के विरोध में सोमवार को भी बैंक के अंदर प्रदर्शन किया गया था, जो देर शाम तक चला। उस दौरान बैंक के चीफ मैनेजर आर.के. सिन्हा ने 24 घंटे के भीतर मामले की प्रगति से अवगत कराने का वादा किया था। मंगलवार सुबह भी इस आश्वासन पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से नाराज खाताधारक बैंक खुलने से पहले ही शाखा के बाहर पहुंच गए। बैंक खुलते ही उन्होंने शाखा में ताला लगा दिया और हमारा पैसा वापस करो के नारे लगाते हुए धरने पर बैठ गए। इस प्रदर्शन के कारण बैंक का कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा और अन्य ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी जमा धनराशि वापस नहीं की जाती और बैंक प्रशासन इस मामले में कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं करता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ज्येष्ठ के आठवें मंगल पर भंडारे, हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

लखनऊ (संवाददाता)। ज्येष्ठ माह के आठवें मंगल के अवसर पर लखनऊ के इटौंजा क्षेत्र में धार्मिक आस्था और जनसेवा का माहौल रहा। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। इन भंडारों में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजित भंडारों में पूड़ी, सब्जी, कढ़ी, छोले और चावल सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। सुबह से ही प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजकों ने बताया कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार का विशेष ध ार्मिक महत्व होता है। इसी परंपरा के तहत हर वर्ष भंडारों का आयोजन कर श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इस आयोजन में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से सहयोग किया और व्यवस्थाएं संभालीं। इन भंडारों में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और सेवा भावना का प्रतीक बताया। पूरे दिन क्षेत्र में जय बजरंगबली के जयकारे और धार्मिक भजन गूंजते रहे।

गन्ना विभाग ने समितियों और परिषदों के कार्यो का ऑनलाइन लेखा-परीक्षण हेतु आडिट मॉड्यूल किया विकसित

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा एवं शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा गन्ना समितियों एवं गन्ना विकास परिषदों के वित्तीय एवं लेखा प्रबंधन में पारदर्शिता जवाबदेही एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश की सभी गन्ना समितियों एवं गन्ना विकास परिषदों के लिए विकसित मॉड्यूल के बारे मे नामित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को प्रशिक्षित भी किया गया है। इन नामित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रभावी निगरानी एवं ऑनलाइन रिपोर्टिंग हेतु गन्ना एवं चीनी विभाग द्वारा एक विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया गया है। कोई भी चार्टर्ड अकाउंटेंट किसी समिति एवं परिषद में भौतिक रूप से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षण करेंगे, तो निरीक्षण के निष्कर्ष, टिप्पणियां एवं अनुपालन सम्बन्धी विवरण सीधे ऑनलाइन मॉड्यूल में दर्ज करेंगे। ऑनलाइन प्रणाली के प्रभावी संचालन हेतु सभी नामित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण में मॉड्यूल संचालन, रिपोर्टिंग प्रणाली, अभिलेख परीक्षण, ऑडिट चेकलिस्ट, फोटो अपलोडिंग, जियो टैगिंग तथा ऑनलाइन अनुपालन प्रक्रिया की जानकारी दी गई है।

सम्पादकीय.....

पैदल यात्रियों का हक

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति–नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने–जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने–जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी–खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है। यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा। इस संकट के समाधान के लिये नगर निकायों को अतिक्रमण–रोधी नियमों को सख्ती से लागू करना सुनिश्चित करना चाहिए। वास्तव में तभी कोई शहर सचमुच आधुनिक बनता है, जब वह ज्यादा कारों को जगह देने के बजाय हर आम नागरिक को सुरक्षित और सम्मान के साथ चलने की सुविधा प्रदान करता है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने रास्ता दिखा दिया है, अब सरकारों का काम उस पर चलना है।

मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी न करें जनप्रतिनिधि

विष्णु गजानन पांडे

लोकसभा में छोटे दलों में अफरा तफरी मची है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के 6 सांसद शिवसेना (एकनाथ शिंदे) में शामिल हो गए है। उधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने अपने लिए नया ठिकाना ढूंढ लिया और एक अनजान पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गये हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के मई 2026 के चुनाव नतीजों के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी में टूट–फूट की बातें हो रहीं थी और 60 के आसपास विधायक या तो तृणमूल कांग्रेस छोड़ कर नयी पार्टी बना सकते हैं या ममता बनर्जी को निकाल कर पार्टी पर कब्जा कर सकते हैं। आखिर यह भगदड़–बेचौनी मची क्यों है? क्या टीएमसी छोड़ने का निश्चय करने वाले सांसद्ध विधायक सचमुच ममता बनर्जी से नाराज हैं? और क्या उद्धव ठाकरे के सांसद भी उनसे नाराज हैं? इस वक्त तो ऐसे ही बयान आ रहे हैं लेकिन असल वजह कुछ और ही लगती है। निश्चित रूप से ये लोग ईडी,सीबीआई, आयकर विभाग की संभावित कार्रवाई से डर रहे हैं लेकिन टीएमसी विधायकों के इस डर की वजह जानने के लिए प.बंगाल चुनाव में निर्वाचित विधायकों की पृष्ठभूमि देखनी होगी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार चुनाव में जीतने वाले 292 विधायकों में से 65 प्रतिशत यानी 190 विध्ाायक आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। 270 में से 170 विजेता (58 प्रतिशत)गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। आपराधिक मामलों वाले कुल विजेताओं में से लगभग 89प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। चुनाव में दो प्रमुख पार्टियों–भाजपा के 206 निर्वाचित विधायकों में 152 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 141 पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के जीतने वाले 80 विधायकों में से 34 पर आपराधिक मामले हैं और इन 80 विधायकों में 25 पर गंभीर मामले दर्ज हैं। दर्ज मामलों में हत्या, हत्या का प्रयास, यौन अपराध, महिलाओंध्बच्चों के खिलाफ अपराध दंगे भड़काना, चुनावी धोखाधड़ी और वित्तीय हेराफेरी (मनी लॉन्ड्रिंग) जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू विजेता विधायकों की आर्थिक स्थिति से जुड़ा है। सबसे अधिक करोड़पति विजेता भाजपा से(114) हैं। उसके बाद तृणमूल कांग्रेस (59) के हैं। प. बंगाल में इस समय भाजपा सत्ता में हैं तो उसके विधायकों पर तत्काल कोई कानूनी कार्रवाई की स्थिति बनने की उम्मीद नहीं है लेकिन तृणमूल कांग्रेस के निर्वाचित विधायक कानूनी चपेट में आ सकते हैं और यही उनकी घबराहट का सबसे बड़ा कारण है। पिछले पांच–सात सालों में विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में हुई टूट–फूट और भगदड़ को देखें तो यही एक बड़ी वजह नजर आती है। महाराष्ट्र में अविभाजित शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायकों में भगदड़ इसी वजह से हुई। पार्टी नेतृत्व से नाराजी और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं भी एक बड़ा कारण है। हाल में दिल्ली में आप के सांसदों ने भी कानूनी कार्रवाई के डर से इसी तरह का फैसला किया। बहुत से नेता भाजपा में शामिल होकर या उसका अंदर या बाहर से समर्थन कर श्गंगा नहाश लिए। कई नेताओं के खिलाफ आरोप तो बड़े गंभीर लगे पर सबूतों के अभाव में वे बाइज्जत बरी हो गए। पार्टी छोड़ने वाले नेता अपना डर कभी नहीं बताता। 2019 में महाराष्ट्र में जब राज्यपाल ने महाविकास अघाड़ी को सरकार बनाने के लिए बुलाया तो बॉम्बे हाई कोर्ट में मुंबई के कुछ वकीलों, बिजनेसमैन और इंजीनियरों ने एक पिटीशन फाइल की जिसमें उद्धव ठाकरे के शपथ ग्रहण समारोह पर रोक लगाने का आग्रह किया गया। चीफ जस्टिस प्रदीप नंदराजोग के नेतृत्व वाली बेंच के सामने पिटीशनर्स के वकील ने तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा श्याचिकाकर्ता भाजपा का समर्थक हैं। भाजपा ने चुनाव से पहले शिवसेना के साथ गठबंधन किया था इसलिए उस चुनाव क्षेत्र में भाजपा के बजाय शिवसेना का कैंडिडेट होने के बावजूद इन वोटर्स ने उसे वोट दिया। इस तरह, लाखों वोटर्स ने वोट दिया है। पिटीशनर के वकील नेदुम्परा ने कहा, श्लेकिन, चुनाव के बाद शिवसेना ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया और कांग्रेस और राकांपा गठजोड़ कर लिया। यह मतदाता और जनादेश के साथ धोखा है।श उन्होंने दावा किया कि श्क्योंकि जनादेश का अपमान करके सत्ता बनाई जा रही है इसलिए उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाना भी गैर–संवैधानिक और गलत है।श मुख्य न्यायाधीश ने याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से मना करते हुए कहा कि श्शादियों के होते ही तलाक का कॉन्सेप्ट मैरिज लॉ के लिए नया नहीं है।श चीफ जस्टिस नंदराजोग की टिप्पणी यह दिखाने के लिए काफी है कि चुनाव के बाद वोटरों के अधिकार की कोई अहमियत नहीं है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था की इस कमी को दूर करना बहुत जरूरी है। सत्ता की लालसा में राजनीतिक पार्टियां चुनाव में जीतने की संभावना रखने वाले उम्मीदवारों को चुनती हैं। देखा जाता है कि इन उम्मीदवारों को चुनने का मापदंड उनका बाहुबल, उनका क्रिमिनल बैकग्राउंड, उनके जीतने की संभावना और उनके पास मौजूद पैसा होता है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस आर.एफ. नरीमन और जस्टिस एस. रवींद्र भट की बेंच ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि टिकिट देने का कारण और आधार केवल श्जीत की क्षमताश नहीं बल्कि उम्मीदवार की योग्यता, उपलब्धियों और मेरिट के आधार पर होने चाहिए। राजनीतिक दलों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को टिकट देने के ठोस और तर्कसंगत कारण अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में सार्वजनिक करने होंगे। इस निर्देश के बावजूद सभी प्रमुख दल श्जीतने की क्षमताश को प्राथमिकता देते हुए भारी संख्या में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारते हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि या आर्थिक घोटालों के आरोपी, नैतिकताविहीन जनप्रतिनिधियों से ये उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे सत्ता का विरोध करेंगे और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे? सबसे बड़ी बात यह है कि इन लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता और यह कहा नहीं जा सकता कि आज इस पेड़ पर चहचहाने वाला पंछी कब दूसरे पेड़ पर चहचहाते हुए नजर आएगा। दलबदल कानून की कमजोरियां उजागर हो चुकी है और यह एक मजाक से ज्यादा कुछ नहीं रह गया है। किसी निर्वाचित प्रतिनिधि या प्रतिनिधियों का अपनी पार्टी या अपने नेता से मतभेद हो तो वे अपना विरोध जरूर जाहिर करें, वे पार्टी छोड़ सकते हैं लेकिन श्इधर से उधर घुस करश वोटर्स को धोखा न दें। ऐसी व्यवस्था हो कि असंतुष्ट जनप्रतिनिधि संसद या विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दें और मतदाता का विश्वास दोबारा हासिल करें। अगर लोकतंत्र में वोटर की बहुत ज्यादा अहमियत है तो राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे उन्हें मिले वोट की इज्जत रखें।

अब यह कांग्रेस का नहीं छात्रों का आन्दोलन बन गया

शकील अख्तर

अगले महीने जुलाई से आपको माहौल बदला हुआ दिखेगा। कोटा के छात्र सम्मेलन की सफलता के बाद जुलाई में तीन छात्र सम्मेलन हैं। 10 जुलाई प्रयागराज, 11 जुलाई पटना और 14 जुलाई दिल्ली। कांग्रेस के इन सम्मेलनों को असफल करने के लिए सरकार कई प्रयास कर रही है। कोटा में भी किया था। वहां कोचिंग सेंटर के संचालकों के जरिए छात्रों को डराया गया था। बड़े होस्टलों के मालिकों ने यही कोशिश की थी। सरकार प्रशासन सब ने कोशिश कर ली थी मगर कोटा के दशहरा मैदान में छात्र उमड़ पड़े। सवाल उनके भविष्य का था। पिछले 12 साल में विपक्ष खासतौर से कांग्रेस के कई कार्यक्रम हुए। सफल भी चर्चित भी। मगर यह पहली बार है कि कांग्रेस के शुरू आंदोलन को छात्रों ने अपना बना लिया। इसका असली रूप देखने को मिलेगा इलाहाबाद जिसकी शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे भारत में अव्वल रही उसका नाम बदल कर अब प्रयागराज कर दिया है। मगर नाम बदलने से इस शहर की युवा शक्ति का संघर्ष का जज्बा नहीं बदल जाएगा। यह वह शहर है संगम वाला जहां का नौजवान दो हाथ लगे और पार हुए के चढ़ी हुई नदी को पार करने के जज्बे वाला रहा है। प्रयागराज और पटना दोनों कोटा से अलग हैं। कोटा में लगभग सभी छात्र अकेले रहते हैं। उन पर नियंत्रण कोचिंग सेंटर वालों, या पीजी होस्टलों या अगर कमरा किराए पर ले कर रह रहे हैं तो मकान मालिकों का है। खुद मां–बाप जब मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए छोड़ने आते हैं तो कह जाते हैं ध्यान रखना। कोटा में तैयारी कर रहे बच्चों के बीच कोई एकता का सूत्र नहीं होता। मगर प्रयागराज जो भारत का सबसे पुराना प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का केन्द्र हैं वहां बच्चों पर स्वनियंत्रण के अलावा और कोई दबाव नहीं होता। कोटा के मुकाबले बहुत मुश्किल में रहते हैं। छोटे–छोटे कमरे, कम पैसे में गुजर करते हैं। कोटा में मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे होते हैं। प्रयागराज और पटना में गरीब घरों के। उनके लिए आर–पार की लड़ाई होती है। अगर प्रतियोगी परीक्षा निकाल लिए तो ठीक है नहीं तो फिर गांव लौटना या छोटी–मोटी प्राइवेट नौकरी ही विकल्प बचते हैं। कोटा वालों को अगर सरकारी मेडिकल इंजीनियरिंग नहीं मिला तो प्राइवेट मेडिकल इंजीनियरिंग में चांस होता है। मां–बाप चाहे कर्ज लें, गांव की जमीन बेचें मगर एक कोशिश करते हैं। मध्यम वर्ग के बच्चों के लिए और भी दूसरे ठीक–ठाक जॉब के चांस रहते हैं। मगर प्रयागराज और पटना में पढ़ने आए बच्चों के पास इतने विकल्प नहीं होते। गांवों के बच्चे होते हैं। मां–बाप पेट काटकर पढ़ने तैयारी के लिए पैसे पहुंचाते हैं। जिसने प्रयागराज और पटना के लड़के–लड़कियों का कष्टमय जीवन नहीं देखा वह नहीं समझ सकता कि गरीबी में पढ़ाई और एन्ट्रेंस टेस्टों की तैयारी कैसी तपस्या है। कोटा में बच्चे पेट भर और स्वादानुसार भी खाते हैं। यहां महीने के आखिर में एक टाइम खाकर और उबले चावल भी खाकर बच्चे काम चलाते हैं। तो ऐसी स्थिति में जब कोटा के छात्र निकलकर राहुल के साथ आए तो आप समझ सकते हैं कि पेपर लीक होने, समय पर रिजल्ट नहीं निकलने, रिजल्ट निकाल कर फिर कैन्सिल कर देने, फिर परीक्षा फिर रिजल्ट और फिर कोर्स शुरू नहीं होने से त्रस्त हो चुके उत्तर प्रदेश और बिहार के स्टूडेंट किस तरह इस छात्र सम्मेलन के लिए उत्साहित हैं और राहुल में उन्हें किस तरह उम्मीद दिख रही है। उत्तर प्रदेश में पिछले सात साल में दो दर्जन से ज्यादा पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द के मामले हो चुके हैं। हजारों युवा ओवर एज हो गए। लाखों स्टूडेंट युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया। बिहार का हाल भी ऐसा ही है। सवाल उठाने पर सड़कों पर दौड़ा–दौड़ा कर उन पर लाठियां बरसाई जाती हैं। अभी इन्हीं सवालों को उठाने पर पुलिस ने वहां एक युवा भरत तिवारी का एनकाउंटर कर दिया। एनकाउंटर और बुलडोजर को इन डबल इंजन की सरकारों में बहुत महिमामंडित किया जा रहा था। गोदी मीडिया और भक्त इस तरह दीवाने थे कि लगता था कि न्याय की देवी के बदले इन दोनों को ही प्रतीक के रूप में सुप्रीम कोर्ट में स्थापित करवा देंगे। दलित, ओबीसी, मुसलमान का एनकाउंटर इन्हें जायज लगता था। एक महिला टीवी एंकर तो बेशर्मी के साथ मुख्यमंत्री से पूछ रही थी कि गाड़ी पलटेगी? मतलब उसे मारा जाएगा? लेकिन आग लगाने वाले यह नहीं सोचते कि यह आग उनकी तरफ भी आएगी। भरत तिवारी का एनकाउंटर जो कि हत्या ही है और इस तरह के सारे एनकाउंटर हत्या ही होते हैं के बाद अब वे लोग थोड़े चौंके हैं जो अभी तक किसी के मारे जाने पर घर गिराए जाने खुशियां मनाते थे। तो पटना में जब 11 जुलाई को छात्र सम्मेलन होगा तो यह भी एक बड़ा मुद्दा होगा। छात्र युवाओं को कुछ नहीं देना और उनकी आवाज उठाने वाले को मार देना। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कोटा से उठाई हुई आवाज अब देश भर गूंजने लगी है। बेरोजगारों का हाल क्या है? हर साल 15 से 20 लाख युवा नौकरी के फार्म भरते हैं। उसके लिए एक हजार से तीन हजार तक एप्लीकेशन फीस ली जाती है। लेकिन लूट यहीं खत्म नहीं हो जाती। फार्म में अगर कोई करेक्शन करना है तो पहली बार में दो सौ रुपए और सैंकड टाइम में पांच सौ रुपए। किसी न्यूज चौनल में सवाल देखा कि बेरोजगारों से छोटी नौकरियों के लिए सरकार एप्लीकेशन फीस क्यों लेती है? हिन्दू–मुसलमान के बारे में तो इन चौनलों को सब पता होता है मगर क्या यह पता है कि कई जगह तो केवल एक पोस्ट निकाली जाती है। हजारों युवा फार्म भरते हैं। अधिकांश को रिटर्न के लिए भी नहीं बुलाया जाता। कैसे यह लोग पढ़े हैं? कैसे एन्ट्रेंस टेस्ट नौकरियों की तैयारियां की हैं? कैसे हिम्मत करके मां–बाप से फार्म भरने के लिए पैसे मांगें और फिर कभी टेस्ट की तारीख घोषित नहीं हुई है। तो कभी पेपर लीक हो गए। कभी टेस्ट हो गए रिजल्ट रूका पड़ा है और रिजल्ट आ गया तो नियुक्ति नहीं दे रहे। एक नया खेल और निकाल रखा गया है। नॉट फाउंड सुटेबल। एनएफएस। अभी तक आरक्षित सीटों पर कर रहे थे। अब जनरल पर भी करने लगे। जैसे बताया कि दलित ओबीसी मुसलमान के एनकाउंटर पर खुश हो रहे थे। अब बिहार में सवर्ण तिवारी का कर दिया। ऐसे ही जनरल के दलित पिछड़ों की सीटों पर एनएफएस का फरमान आने पर बहुत खुश होते थे। कहते थे यह योग्य ही नहीं हैं। अभी उत्तर प्रदेश में 331 वैकेंसियां खाली छोड़ दी गईं। दो दौर की परीक्षाओं के बाद कहा गया कोई योग्य नहीं पाया गया। लोकसेवा आयोग उत्तरप्रदेश की 2 जून 2026 की विज्ञप्ति। वैकेंसी 2003 में निकाली थीं। 2004 में परीक्षा हुई दो बार पहले जनवरी में फिर जून और जुलाई में। हजारों युवा बैठे थे। और अब 2026 जून में कहा जा रहा है कोई योग्य नहीं। रिक्तियां खाली छोड़ी जाती हैं। पढ़ाई से लेकर नौकरी तक कहीं कोई मतलब नहीं है। बारहवीं की सीबीएसई की जो परीक्षा बच्चों के पूरे भविष्य का आधार होती है उसमें कितनी गड़बड़ियां हुईं सबने देखा। यह भी देखा कि सवाल उठाने वाले बच्चे को पाकिस्तानी कह दिया गया। सरकार इन सब को मुद्दा ही नहीं मानती है। ऐसे में कांग्रेस के शुरू किए छात्र सम्मेलन स्टूडेंट और युवा को अब अपने लगने लगे। प्रयागराज और पटना से मालूम पड़ जाएगा कि छात्र और युवा कितना जागे हैं। अपना भविष्य वे कैसा देखना चाहते हैं।

भरत एनकाउंटरः देश यहां तक पहुंचा कैसे?

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले बिलौटी नामक गांव के एक युवा भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर देश भर में कुहराम मचा हुआ है। गंगा के बाढ़ से हर साल होते कटाव के कारण होने वाली लोगों की समस्याओं और ऐसे ही जनसरोकार के अन्य मुद्दों को लेकर

प्रशासन और सरकार तक जनता की बात पहुंचाने के लिये अपने इलाके में मशहूर यह नवयुवक जिन परिस्थितियों में पुलिस द्वारा कथित एनकाउंटर में मारा गया, उसे लेकर सवाल उठने लाजिमी हैं। पिछले दो दिनों से पूरा देश, विशेषकर दो बड़े हिन्दी भाषी राज्य (बिहार–उत्तर प्रदेश) सुलग उठे हैं। बिहार में तो जगह–जगह सरकार व पुलिस के खिलाफ लोग विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राज्य सरकार को उसकी उच्चस्तरीय जांच के आदेश देने पड़े हैं। यह एनकाउंटर बेहद संदिग्ध हालत में हुआ है– बावजूद इसके कि उसे लाखों ने सोशल मीडिया पर लाइव देखा। पहले तो पुलिस ने उसे मानसिक रूप से असंतुलित बताया। फिर बड़ी संख्या में उसके गांव व घर को घेर लिया। हालांकि भरत ने अपना पिस्टल सरेंडर के रूप में पुलिस को सौंप दिया था। इसके बाद भी उसे चार गोलियां मारी गयीं। इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके परिजनों तथा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ रिपोर्ट लिखकर उन्हें गिरफ्तार कर दिया। सवाल यह है कि क्या देश में यह पहला एनकाउंटर था जिसे लेकर लोग सुलग उठे हैं। ऐसा बिलकुल नहीं है। 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीन बार बनी सरकारों की इसे देन कहा जा सकता है। घोषणापत्र में किये गये वादे पूरे हों या नहीं, कुछ होने पर उसकी जवाबदेही किसकी हो– यह तय करने की जहमत उठाने की जरूरत नहीं तथा उपलब्धि के नाम पर आधारहीन आंकड़े और विपक्ष को गालियां देकर यदि सत्ता में बने रहा जा सकता है तो मोदी एवं उनकी भाजपा के लिये कोई जरूरत ही नहीं रह जाती कि वे उम्दा प्रदर्शन करें तथा सकारात्मक नतीजे दें जो लोगों के जीवन में सुधार लाएं। जिन राज्यों में भाजपा की कथित डबल इंजिन की सरकारें हैं वहां विकास के नाम पर तो कुछ खास उपलब्धियां नहीं दिखलाई पड़तीं, उल्टे नुकसान यह हुआ है कि सरकार के विरूद्ध आवाज उठाने की गुंजाइशें बन्द हो गयी हैं। ऐसे राज्यों की बदहाली, अराजकता और हिंसा के खिलाफ कहीं भी शिकायत नहीं होती। एक राज्य खोने के डर से केन्द्र ऐसे राज्यों के कुशासन को और प्रश्रय और बढ़ावा देता है। इन 12 वर्षों में अब सरकार को जनअसंतोष की चिंता करने की जरूरत नहीं रह गयी है क्योंकि अब भाजपा के पास चुनाव जीतने की मुकम्मल व्यवस्था है– फिर कोई उसे वोट दे या नहीं। हर राज्य में एसआईआर के जरिये भाजपा ने अपनी जनता चुन ली है। विरोधी वोट काट दिये गये हैं और समर्थक मतदाताओं को बनाये रखा गया है। यह हेरा–फेरी इतने बड़े पैमाने पर की गयी है कि उसके असर से विरोधी दलों के लिये सत्ता को हराना बहुत आसान हो गया है। भाजपा की चुनावों में एंट्री बढ़त के साथ होती है, जिसकी भरपायी में ही गैर–भाजपायी दलों को अपने काफी कम संसाधनों को झोंक देना पड़ता है। बिहार एवं पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ वह तो झांकी है। यह पैटर्न उन सभी राज्यों में अपनाया जायेगा जहां चुनाव होने वाले हैं या होंगे। इस सबके चलते हिन्दुस्तान का बड़ा हिस्सा इस हिंसा और अपराध के जातिकरण के शिखर पर जा पहुंचा है। बड़ी तादाद में हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा इसी जातीय अहंकार और हिंसा के इर्द–गिर्द विकसित हुई है। हिन्दू राष्ट्र में ऐसा नहीं कि केवल अल्पसंख्यक, दलित ओबीसी, आदिवासी ही मारे जायेंगे या प्रताड़ित होंगे– स्वयं सवर्ण हिन्दू इस हिंसक विचारधारा की जद में आ चुके हैं। उसे सुरक्षित रहने के लिये अब इतना ही पर्याप्त नहीं रह गया है कि वह भाजपा का वोटर हो। यदि वह सत्ता से सवाल करेगा तो उसे भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यकर्ता होने से कोई छूट नहीं मिल जायेगी। अब तक अन्य जातियों एवं सम्प्रदायों के एनकाउंटर, उनकी मॉब लिंचिंग तथा उनके घरों पर बुलडोजर चलता देखकर खुश होने वाले सवर्ण आज चाहे आंसू बहा रहे हों परन्तु इस सड़क पर न्याय के खिलाफ आवाजें उठाने वाले काफी पहले से लोगों तथा सरकारों को चेता रहे थे कि यह रास्ता बर्बादी की ओर जाता है। तब ऐसे लोगों को देशद्रोही, हिन्दूविरोधी, पाक–परस्त आदि न जाने क्या–क्या कहा जाता था। अंततरू वह दिन आ ही गया कि जो कार्यपालिका को न्यायिक अधिकार सौंपने के हो सकते हैं। देश ने कई जघन्य एनकाउंटर देखे हैं परन्तु वे अतिविशिष्ट परिस्थितियों में हुए हैं। उन पर सरकारों ने और कार्ट ने संज्ञान लिया है और यथासम्भव पीड़ितों को न्याय दिलाने की कोशिश की। बहुत सम्भव है कि उनमें से कुछ प्रयत्न नाकाम भी हुए होंगे लेकिन पिछली सरकारों की कोशिशों पर उंगली नहीं उठाई जा सकती।

2014 की भाजपा सरकार हिन्दू–मुस्लिम विभाजन और जातीय संघर्ष का एजेंडा लेकर आई थी तथा उसे सफलता भी मिली थी। उसी का इस्तेमाल 2019 तथा 2024 के लोकसभा चुनावों में किया गया। बची–खुची कमी एसआईआर, ईवीएम, चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये तथा केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने पूरी कर दी। वैसे भी जब शासक की जीत सुनिश्चित हो तो सरकारों को सुशासन और खुशहाली से कुछ लेना–देना नहीं रह जाता। कहें तो जरूरत ही नहीं रह जाती। इस एक दशक में हथियारों के प्रति वीभत्स अनुराग पैदा कर दिया गया है। शक्तिशाली लोग इसका इस्तेमाल कमजोरों और निहत्थों को दबाने में कर रहे हैं। पुलिस को संविधान के ऊपर उठकर काम करने की छूट दी गयी। भाजपा समर्थित लोग शक्ति का खुलकर उपयोग कमजोरों के साथ–साथ सरकार से प्रश्न करने वालों के विरूद्ध कर रहे हैं। अनेक एनकाउंटर निहत्थे लोगों पर किये गये। फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या समूह के तौर पर। भरत भूषण को न्याय शायद ही मिले।

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन, ट्रोलिंग पर बोलीं- `मुझे फर्क नहीं पड़ता'

> एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी।

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे। न्यूज18 के साथ बातचीत के दौरान मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर–शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं। फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, उनकी मां? फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी। मैं जोर–जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, श्मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी। और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है। डेविड धवन द्वारा निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा फिल्म में जिम्मी शेरगिल, मौनी रॉय, मनीष पॉल, चंकी पांडे और राकेश बेदी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म को क्रिटिक्स से मिली–जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है।

रेस ट्रैक के ऐल्फा गुरिंदरवीर सिंह ने आलिया भट्ट के साथ साझा किया संघर्ष और सफलता का सफर

रेस ट्रैक के नए 'ऐल्फा' गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड का समय दर्ज कर इतिहास रचते हुए भारत के सबसे तेज धावक का खिताब अपने नाम किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद उन्होंने अपनी पहली खास बातचीत यश राज फिल्म्स की फिल्म 'अल्फा' की टीम के साथ साझा की, जिसमें आलिया भट्ट भी शामिल रहीं। इस खास इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने गुरिंदरवीर सिंह से उनके सफर और प्रेरणा के बारे में सवाल किए। बातचीत के दौरान उन्होंने उन्हें 'भारत का गौरव' बताते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की। वहीं गुरिंदरवीर ने अपने आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि सबसे आगे और सबसे तेज बनने के लिए फोकस, मेहनत और लगन जरूरी है। गुरिंदरवीर ने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि उनके पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी थे और चोट के कारण उनका करियर अधूरा रह गया था। अपने पिता के अधूरे सपनों को देखकर ही उन्होंने एथलेटिक्स में करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ी प्रेरणा उनके पिता और उनका परिवार रहा है। एथलीट ने अपने संघर्ष भरे दौर को याद करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें अपने करियर को लेकर संदेह होने लगा था। लेकिन उस कठिन समय में उनकी मां और पिता ने उन्हें लगातार हिम्मत दी और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। गुरिंदरवीर ने रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद मिले सपोर्ट सिस्टम की भी सराहना की। उन्होंने बेहतर ट्रेनिंग, डाइट और सुविधाओं को अपनी सफलता का अहम हिस्सा बताया और नीता अंबानी का धन्यवाद किया। इंटरव्यू के दौरान आलिया भट्ट ने उनके लिए पसंदीदा मिठाई मोतीचूर के लड्डू भी लाए, जिससे माहौल और भी हल्का और खुशगवार हो गया। इस दौरान दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली, जिसने इस खास मुलाकात को और यादगार बना दिया। शिव रवैल के निर्देशन में बनी 'अल्फा' वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला केंद्रित एक्शन फिल्म है।

अन्ना बुलाएंगे तो जरूर आऊंगा, ओजी 2 में काम करने को लेकर उत्साहित दिखे अर्जुन दास

अभिनेता अर्जुन दास इन दिनों अपकमिंग फिल्म दे कॉल हिम ओजीश के दूसरे पार्ट को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के पहले पार्ट में अहम भूमिका निभाने वाले अर्जुन दास ने ओजी 2 का भी हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि अभी फिल्म की टीम की ओर से उनके किरदार को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अभिनेता का कहना है कि अगर पवन कल्याण उन्हें बुलाते हैं, तो वह बिना किसी हिचकिचाहट के फिल्म से जुड़ जाएंगे। आईएएनएस ने जब अर्जुन दास से पूछा कि क्या आप ओजी 2 का हिस्सा बनेंगे, इस पर अभिनेता ने कहा, श्मुझे लगता है कि कहानी के हिसाब से मुझे फिल्म में होना चाहिए। पहले पार्ट में मेरे किरदार ने कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी और कहानी जिस मोड़ पर छोड़ी गई थी, उसे देखते हुए मैं मानता हूं कि आगे भी इसमें मेरे किरदार की जरूरत पड़ सकती है। अर्जुन दास ने आगे कहा, फिलहाल फिल्म को लेकर शुरुआती स्तर पर ही चर्चा चल रही है। टीम ने अभी–अभी सीक्वल को लेकर बातचीत शुरू की है। कई चीजें तय होना बाकी हैं। लेकिन अभी यह साफ नहीं हुआ है कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी। कलाकारों और कहानी से जुड़ी कई जानकारियां आने वाले समय में सामने आएंगी। अभिनेता ने बातचीत के दौरान पवन कल्याण को लेकर कहा, मैं अभी पवन कल्याण को अन्ना कहकर बुलाता हूं, जिसका मतलब होता है बड़ा भाई। अगर अन्ना मुझे फोन करके बुलाएंगे, तो मैं जरूर फिल्म का हिस्सा बनूंगा। इस बारे में मेरे मन में कोई दूसरा विचार नहीं है। पवन कल्याण के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहा है। बता दें कि हाल ही में फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने फैंस की लगातार डिमांड के बाद ओजी 2 को लेकर घोषणा की थी। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि जैसा वादा किया गया था, वैसा ही होगा। निर्देशक सुजीत के विदेश से लौटने के बाद आगे की योजना पर चर्चा की जाएगी। इस पोस्ट को साझा करते हुए अर्जुन दास ने अपनी खुशी जाहिर की थी।

डेढ़ साल तक छिपाकर रखी शादी ! महाभारत स्टार शफक नाज ने शादी के बाद पहली बार दिखाया पति जीशान का चेहरा

टीवी अभिनेत्री शफक नाज ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक बड़ा खुलासा कर सभी को चौंका दिया। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह पिछले डेढ़ साल से शादीशुदा हैं। उन्होंने अपनी पर्तिमर्मींद के सतह शादी की खूबसूरत तस्वीरें साझा करते हुए फैंस को अपनी शादी की जानकारी दी। सोशल मीडिया पर शफक ने बताया कि 31 अक्टूबर 2024 को उन्होंने चुप–चाप शादी कर थी और वो अपनी शादी को बहुत निजी रखना चाहती थीं, इस वजह से उन्होंने फैसला किया कि वो सबसे अपनी शादी को छुपा कर रखूंगी। शफक नाज ने फोटोज डालते हुए कैप्शन लिखा कि 31–10–2024 को मैंने अपने पसंदीदा इंसान से शादी की और पिछले डेढ़ साल में मैं चुपचाप उतनी खुश रही हूँ, जितनी पहले कभी नहीं थी। मिलिए मेरे पति 'जीशान' से। शफक नाज की ये पोस्ट देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया। हालांकि, शफक ने काफी समय पहले ही सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें साझा करनी शुरू कर दी थीं, लेकिन तब उन्होंने जीशान की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया था। नवंबर 2025 में शेयर की गई एक पोस्ट में एक्ट्रेस ने उन्हें अपना 'घर' बताते हुए खास अंदाज में प्यार जाहिर किया था। शादी का खुलासा करने से पहले भी शफक कई बार छुट्टियों, सेलिब्रेशन और खास पलों की तस्वीरों में जीशान के साथ नजर आई थीं, लेकिन उन्होंने हमेशा उनके बारे में ज्यादा जानकारी साझा करने से परहेज किया। आपको बता दें कि शफक नाज इंडस्ट्री का जाना–माना चेहरा हैं और उन्होंने महाभारत में कुंती का किरदार निभाके उन्होंने बहुत नाम कमाया है। इसके अलावा शफक को सपना बाबुल का... बिदाई, संस्कार लक्ष्मी, क्राइम पेट्रोल, शुभ विवाह, अदालत, गुमराह, सावधान इंडिया, कुल्फी कुमार बाजेवाला, लाल इश्क और श्गुम है किसी के प्यार मेंश देखा गया है।

ऑनलाइन लीक होने के बाद मेकर्स ने रिलीज किया ईठा का टीजर, श्रद्धा कपूर ने फिर जीत लिया दर्शकों का दिल

श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्म ईठा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका टीजर ऑनलाइन लीक हो चुका है। अब मेकर्स ने आधिकारिक रूप से भी टीजर जारी कर दिया है। अपने ट्रांसफॉर्मेशन से श्रद्धा कपूर ने चौंका दिया है। छावा जैसी ब्लॉकबस्टर देने के बाद लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर दर्शकों के बीच पहुंच रहे हैं। इस बार जरिया है फिल्म ईठा। इसमें निर्देशक महाराष्ट्र के इतिहास की झलक पेश करेंगे। यह फिल्म मशहूर मराठी लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। बिठाबाई की भूमिका श्रद्धा कपूर ने अदा की है। फिल्म ईठा का ट्रेलर बीते दिनों कॉकटेल 2 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। इसी के बाद टीजर ऑनलाइन भी लीक हो गया। टीजर के कुछ हिस्से के क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुए और श्रद्धा कपूर के अदाकारी की खूब तारीफ हुई। अब मेकर्स ने आधिकारिक रूप से टीजर रिलीज कर दिया है।

बिना दवा-इलाज के कम हो जाएगा यूरिक एसिड, अपनाएं ये अचूक घरेलू नुस्खे

आजकल यूरिक एसिड का लेवल बढ़ना एक गंभीर समस्या के तौर पर सामने आ रहा है। बता दें कि काफी सारे लोगों में यूरिक एसिड बढ़ने के कारण जोड़ों में गंभीर दर्द, किडनी में पथरी और गाउट आदि समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यूरिक एसिड खून में पाया जाने वाला एक रसायन होता है। यह शरीर में प्यूरीन नामक पदार्थ के टूटने पर बनता है। एंकोवी, मशरूम, सूखे बीन्स, मटर, पालक और यहां तक कि बीयर जैसे खाद्य पदार्थों में प्यूरीन पाया जाता है।

वहीं बॉडी में बनने वाला अधिकतर यूरिक एसिड खून में घुल जाता है। जिसे किडनियों द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है। ऐसे में अगर आपका शरीर भी काफी ज्यादा यूरिक एसिड का उत्पादन कर रहा है। या फिर इसे शरीर से बाहर नहीं निकाल पा रहा है तो इससे आपको हाइपरयुरिसीमिया भी हो सकता है। बता दें कि शरीर में यूरिक एसिड के हाई लेवल का पता ब्लड टेस्ट के जरिए लगाया जा सकता है।

अधिकतर मोटे लोगों के शरीर में अधिकांश मात्रा में यूरिक एसिड बन सकता है। जिससे आप कई गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो सकते हैं। यह आपके जोड़ों के अंदर ठोस क्रिस्टल के रूप में जमा होने लगता है। जिससे गाउट की समस्या हो जाती है। वहीं आपकी किडनी में पथरी भी हो सकती है। अधिकतर गंभीर मामलों में यूरिक एसिड का बढ़ हुआ लेवल किडनी फेलियर का कारण तक बन सकता है।

घरेलू उपचार

पुरुषों में यूरिक एसिड 3।4 से 7 उहध्कर और महिलाओं में 2।4 से 6 उहध्कर होना चाहिए। माना जाता है कि बॉडी से एक्सट्रा यूरिक एसिड को निकालने के लिए ढेर सारा पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही ताजे फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यूरिक एसिड से निजात पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सेब का सिरका

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूरिक एसिड के लेवल को कम करने के लिए आपको नियमित तौर से एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका मिलाकर पीना चाहिए। बता दें कि सेब का सिरका नैचुरल क्लींजर और डिटॉक्सिफायर के जैसे काम करता है। इसमें मैलिक एसिड पाया जाता है जो आपकी बॉडी से यूरिक एसिड को तोड़कर निकालने में मदद करता है। आप चाहें तो दिन में एक सेब भी खा सकते हैं।

नींबू का रस

खून में जमा एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बाहर निकालने के लिए आपको कम से कम दिन में 2 बार नींबू पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। नींबू में साइट्रिक एसिड पाया जाता है। यह यूरिक एसिड को घोलने में मदद करता है। इसके अलावा यूरिक एसिड को निकालने के लिए आप संता, अमरूद और आंवला आदि भी खा सकते हैं। इन फलों में विटामिन सी की मात्रा पाई जाती है।

फल-सब्जियां खाएं

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चेरी, ब्लूबेरी और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों को खाना चाहिए। गहरे रंग के जामुन में एंथोसायनिन नामक फ्लेवोनॉयड्स पाया जाता है। यह जकड़न और सूजन को कम करने में सहायक होता है। वहीं शरीर में यूरिक एसिड का लेवल कंट्रोल करने के लिए आप टमाटर और शिमला मिर्च जैसे एल्कलाइन फूड्स भी खा सकते हैं।

अजवाइन के बीज

अजवाइन के बीज ओमेगा-6 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। साथ ही इसमें कपनतमजपब वपस पाया जाता है। जिसके कारण यह न सिर्फ शरीर से यूरिक एसिड को बाहर निकालता है, बल्कि किडनी के कामकाज को भी दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसके सेवन से शरीर से अतिरिक्त तरल पदार्थ साफ होता है। यह खून को साफ कर सूजन कर करने में मददगार होता है। आप दिन में आधा चम्मच सूखे अजवाइन के बीज खा सकते हैं। वहीं साथ में ढेर सारा पानी भी पीना चाहिए।

फाइबर से भरपूर चीजें

हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। फाइबर आपके खून में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को अवशोषित करने का काम करता है। बाद में इसे आपकी बॉडी से बाहर निकाल देता है। इसलिए आप केला, बाजरा, अनार, ज्वार और जई आदि का सेवन करें। इनमें फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

सुबह उठते ही चाहिए ग्लोइंग त्वचा ? 15 मिनट में निखार देंगे ये आसान फेस पैक

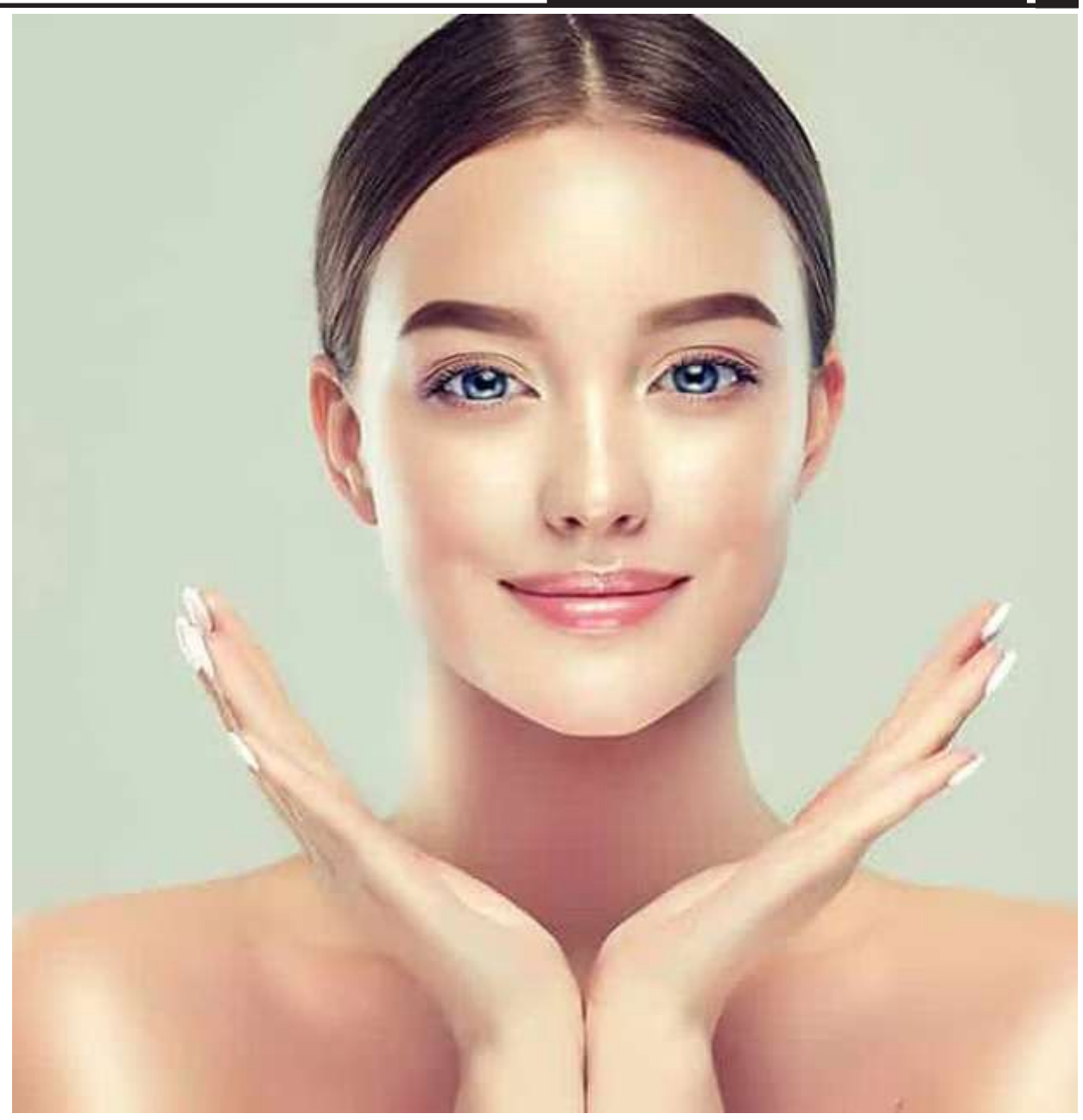

हर कोई चाहता है कि उसकी त्वचा साफ, चमकदार और फ्रेश दिखे। लेकिन कई बार सुबह उठते ही चेहरा बेजान, रूखा, ऑयली या पफी नजर आने लगता है। ऐसे में अगर आपको ऑफिस, किसी खास कार्यक्रम या दोस्तों से मिलने जाना हो तो चेहरे की डलनेस आत्मविश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू फेस पैक आपकी त्वचा को मिनटों में ताजगी और प्राकृतिक चमक देने में मदद कर सकते हैं।

शहद और हल्दी का फेस पैक

शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है, जबकि हल्दी त्वचा की रंगत निखारने में मदद करती है।

ऐसे बनाएं

2 चम्मच शहद

आधा चम्मच हल्दी

दोनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद सादे पानी से चेहरा धो लें। इससे त्वचा में प्राकृतिक चमक नजर आने लगती है।

दूध और हल्दी का फेस पैक

दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, वहीं हल्दी त्वचा को निखार देती है।

कैसे इस्तेमाल करें

4 से 5 चम्मच दूध

एक चुटकी हल्दी

दोनों को मिलाकर कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाएं। 2-3 मिनट हल्के हाथों से मसाज करें और 10 मिनट बाद चेहरा धो लें।

दही और बेसन का फेस पैक

अगर टैनिंग या धूप के कारण त्वचा मुरझाई हुई लग रही है तो यह फेस पैक फायदेमंद हो सकता है।

कैसे बनाएं?

2 चम्मच बेसन

जरूरत अनुसार दही

पेस्ट तैयार करके चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। इससे त्वचा साफ और फ्रेश नजर आती है।

खीरे का रस और गुलाबजल

खीरा त्वचा को ठंडक देता है और गुलाबजल त्वचा को तरोताजा महसूस कराता है।

कैसे इस्तेमाल करें?

खीरे का रस और गुलाबजल बराबर मात्रा में मिलाएं।

कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाएं।

यह मिश्रण त्वचा को तुरंत फ्रेशनेस और नैचुरल ग्लो देने में मदद करता है।

दूध और बेसन का फेस पैक

दूध और बेसन का कॉम्बिनेशन लंबे समय से घरेलू स्किन केयर में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

कैसे बनाएं?

2 चम्मच बेसन

जरूरत अनुसार दूध

पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। इससे त्वचा मुलायम और साफ महसूस होती है।

फेस पैक लगाने से पहले रखें ये जरूरी सावधानी

किसी भी घरेलू नुस्खे या फेस पैक को पूरे चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि त्वचा पर जलन, खुजली, लालिमा या किसी तरह की असहजता महसूस हो तो उसका इस्तेमाल न करें। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

नोटः ये घरेलू उपाय त्वचा की सामान्य देखभाल के लिए हैं। यदि आपको किसी प्रकार की त्वचा संबंधी समस्या या एलर्जी है, तो त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होगा।

नवजात को किस करने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, वरना बाद में पड़ सकता है पछताना

अक्सर जब भी हम किसी छोटे बच्चे को देखते हैं तो उसे प्यार किए बिना नहीं रह पाते हैं। क्योंकि छोटे बच्चे इतने प्यारे होते हैं, कि उन्हें देखते ही कोई भी किस कर लेता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी भी बच्चे को किस करने से पहले 100 बार सोचना चाहिए। बता दें कि छोटे बच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है। ऐसे में बड़ों द्वारा उनको किस करना बिलकुल भी सेफ नहीं होता है। वहीं हेल्थ एक्सपर्ट्स भी ऐसा करने से मना करते हैं। आइए जानते हैं कि छोटे बच्चों को किस करने से किस तरह का सेहत संबंधी नुकसान हो सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, छोटे बच्चों को किस करने से उनमें न सिर्फ इंफेक्शन बल्कि कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सिर्फ वयस्क ही नहीं बच्चे की मां को भी ऐसा करने से बचना चाहिए। क्योंकि किस करने से बच्चों के शरीर में बड़े लोगों की बैक्टीरिया जा सकती है। जो कई तरह की बीमारियों का कारण भी बन सकता है। इन बीमारियों का सामना बच्चे का कमजोर इम्यून सिस्टम नहीं कर सकता है। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि नवजात या 10 साल से कम उम्र के बच्चे को किस करने से सेहत संबंधी कई नुकसान हो सकते हैं।

सांस की बीमारी

बता दें कि छोटे बच्चे की रेस्पिरेटरी सिस्टम यानी श्वसन प्रणाली को अच्छी तरह से विकसित होने में करीब 8 साल का समय लगता है। ऐसे में यदि बच्चे के होंठों पर किस किया जाता है, तो उनके फेफड़ों में संक्रमण का खतरा हो सकता है। फेफड़ों में संक्रमण होने के कारण बच्चा सांस संबंधी समस्या का शिकार हो सकता है।

स्किन प्रॉब्लम

बड़े लोग और खासकर महिलाएं अपने चेहरे और होंठ पर कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। महिलाओं के ब्यूटी प्रोडक्ट में कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं, जो बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बच्चों की त्वचा काफी सेंसिटिव होती है। ऐसे में अगर उनकी स्किन ब्यूटी प्रोडक्ट के संपर्क में आती है। तो बच्चे को रैशेज, रेडनेस और खुजली जैसी समस्या हो सकती है।

फ्लू

वयस्क लोगों के लिए फ्लू भले ही एक आम समस्या है, लेकिन छोटे बच्चों के लिए यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है। क्योंकि अगर किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी, जुकाम या अन्य तरह का कोई सीजनल तरह की स्वास्थ्य समस्या है और वह व्यक्ति बच्चे को किस करता है। तो उसके फ्लू वायरस बच्चे के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। जिसके कारण बच्चा बीमार हो सकता है।

कैविटी

हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जब वयस्क बच्चे के होठों पर किस करता है तो बच्चे के मुंह में सलाइवा जा सकता है। इससे स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटने नाम के बैक्टीरिया बच्चों के दांतों में कैविटी की वजह बन सकते हैं। इसके अलावा यदि वयस्क किसी तरह की बीमारी से पीड़ित है तो उसके कीटाणु बच्चे के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

मानसून में क्यों बढ़ जाता है बालों का झड़ना? बारिश शुरू होने से पहले कर लीजिए ये काम

गर्मी से राहत दिलाने वाला मानसून का मौसम अपने साथ कई तरह की हेयर प्रॉब्लम्स भी लेकर आता है। जैसे ही बारिश का दौर शुरू होता है, लोगों को बाल झड़ने, स्कैल्प में खुजली, रूसी और फ्रिजी हेयर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दरअसल, हवा में बढ़ी हुई नमी और वातावरण में मौजूद धूल-मिट्टी बालों और स्कैल्प को प्रभावित करती है, जिससे बाल कमजोर होने लगते हैं और टूटने की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में यदि समय रहते बालों की सही देखभाल शुरू कर दी जाए, तो मानसून में होने वाले हेयर फॉल को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

मानसून में बाल ज्यादा क्यों झड़ते हैं

विशेषज्ञों के अनुसार, बारिश के मौसम में वातावरण में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। यह नमी स्कैल्प पर अतिरिक्त तेल, पसीना और गंदगी को जमा होने का मौका देती है। जब बालों की जड़ें लंबे समय तक इस स्थिति में रहती हैं, तो वे कमजोर होने लगती हैं। इसके अलावा, स्कैल्प पर बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है, जो बालों के झड़ने का एक बड़ा कारण बन सकता है।

स्कैल्प की सफाई का रखें विशेष ध्यान

मानसून के दौरान बालों और स्कैल्प की सफाई बेहद जरूरी हो जाती है। हालांकि कई लोग बाल झड़ने के डर से बार-बार शैंपू करने लगते हैं, लेकिन ऐसा करना भी नुकसानदायक हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सप्ताह में दो बार किसी माइल्ड शैंपू से बाल धोना पर्याप्त होता है। इससे स्कैल्प पर जमा गंदगी और अतिरिक्त तेल साफ हो जाता है, जबकि बालों की प्राकृतिक नमी भी बनी रहती है। बाल धोने के बाद उन्हें तौलिए से जोर-जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथों से सुखाना चाहिए, क्योंकि इस समय बाल सबसे ज्यादा कमजोर होते हैं।

गीले बाल बांधना पड़ सकता है भारी

अक्सर लोग जल्दीबाजी में बाल धोने के तुरंत बाद उन्हें बांध लेते हैं, लेकिन यह आदत बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। गीले बाल सूखे बालों की तुलना में अधिक नाजुक होते हैं और उन पर दबाव पड़ने से वे आसानी से टूट सकते हैं। इतना ही नहीं, लंबे समय तक बालों में नमी बनी रहने से स्कैल्प में फंगल इंफेक्शन होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए कोशिश करें कि बाल पूरी तरह सूख जाने के बाद ही उन्हें बांधें या स्टाइल करें।

सही कंघी का चुनाव भी है जरूरी

मानसून में बाल अधिक उलझने लगते हैं। ऐसे में कई लोग बालों को तेजी से सुलझाने की कोशिश करते हैं, जिससे टूटने की समस्या और बढ़ जाती है। विशेषज्ञ चौड़े दांतों वाली कंघी इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे बालों पर कम दबाव पड़ता है और वे आसानी से सुलझ जाते हैं। साथ ही, अपनी कंघी किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा करने से बचना चाहिए। इससे स्कैल्प संक्रमण, रूसी और जुओं जैसी समस्याओं का खतरा कम रहता है।

ऑयलिंग को बिल्कुल न करें नजरअंदाज

बारिश के मौसम में बालों को अंदर से पोषण देने के लिए नियमित तेल मालिश बेहद फायदेमंद मानी जाती है। सप्ताह में कम से कम एक बार नारियल, बादाम या किसी अच्छे हेयर ऑयल से स्कैल्प की हल्के हाथों से मसाज करनी चाहिए। ऑयलिंग से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे बालों की जड़ों को पर्याप्त पोषण मिलता है और वे मजबूत बनती हैं। तेल लगाने के कुछ घंटों बाद या रातभर छोड़कर अगले दिन बाल धोए जा सकते हैं।

हीट स्टाइलिंग से बनाएं दूरी

मानसून में बालों में पहले से ही नमी अधिक रहती है, जिसके कारण फ्रिजीनेस बढ़ जाती है। ऐसे में बार-बार स्ट्रेटनर, ब्लो ड्रायर या कर्लिंग आयरन का इस्तेमाल बालों को और अधिक रूखा और कमजोर बना सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बारिश के मौसम में जहां तक संभव हो, बालों को प्राकृतिक रूप से सूखने दें और हीट स्टाइलिंग उपकरणों का इस्तेमाल कम से कम करें। इससे बालों की गुणवत्ता बनी रहती है और टूटने की समस्या भी कम होती है।

थोड़ी सी सावधानी से बच सकते हैं हेयर फॉल से

मानसून में बढ़ी हुई नमी बालों की जड़ों को संवेदनशील बना देती है। ऐसे में बालों की नियमित सफाई, सही कंघी का इस्तेमाल, समय-समय पर ऑयलिंग और हीट स्टाइलिंग से दूरी जैसी छोटी-छोटी आदतें बालों को स्वस्थ बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त

एअर इंडिया में बड़ा बदलाव, पूर्व नागरिक उड्डयन सचिव खरोला वरिष्ठ प्रबंधन टीम में शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। एअर इंडिया ने अपनी वरिष्ठ प्रबंधन टीम में एक बड़ा बदलाव किया है। पूर्व नागरिक उड्डयन सचिव प्रदीप सिंह खरोला को कार्यकारी सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह एअर इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन को रिपोर्ट करेंगे। खरोला प्रबंधन समिति के पूर्णकालिक सदस्य भी होंगे। यह जानकारी एक आंतरिक संचार के माध्यम से सामने आई है। खरोला तत्काल प्रभाव से अपनी नई भूमिका संभालेंगे। वह पहले भी एअर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रह चुके हैं। उन्होंने सरकारी स्वामित्व के दौरान दो साल से अधिक समय तक यह पद संभाला था। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में एअर इंडिया का अधिग्रहण किया था। एयरलाइन वर्तमान में कई चुनौतियों और भारी नुकसान का सामना कर रही है। इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। वह आने वाले महीनों में अपना पद छोड़ देंगे। खरोला एअर इंडिया के लिए कोई नए नहीं हैं। उन्होंने 2017 से 2019 तक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया था। इसके बाद वह नागरिक उड्डयन सचिव बने। इस भूमिका में वह एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में गहराई से शामिल थे। विल्सन ने आंतरिक संचार में खरोला के अनुभव को अमूल्य बताया। यह अनुभव नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के लिए सुचारु नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करेगा। टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद भी एअर इंडिया को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एयरलाइन भारी वित्तीय नुकसान झेल रही है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विल्सन का इस्तीफा भी एक बड़ी चुनौती है। कंपनी को नए नेतृत्व की आवश्यकता है। इन परिस्थितियों में खरोला का अनुभव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल के सप्ताहों में एअर इंडिया ने कई लागत–बचत उपाय अपनाए हैं। इनमें बिना भोजन वाले किराए की शुरुआत शामिल है। एयरलाइन ने अस्थायी रूप से अपनी उड़ान नेटवर्क में भी कटौती की है। टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन निजीकरण के बाद से एयर इंडिया के निदेशक मंडल की अध्यक्षता कर रहे हैं। ये कदम एयरलाइन को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने के लिए उठाए गए हैं।

पूर्व सीएमडी प्रदीप सिंह खरोला की एअर इंडिया में वापसी, कार्यकारी निदेशक से अध्यक्ष बनाए गए

नई दिल्ली,एजेंसी। एअर इंडिया के पूर्व सीएमडी और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के पूर्व सचिव प्रदीप सिंह खरोला की फिर से एअर इंडिया में वापसी हो गई है। एयरलाइन ने प्रदीप सिंह खरोला को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एअर इंडिया से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। खरोला इससे पहले साल 2017 से 2019 तक एअर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उस वक्त एअर इंडिया सरकार के स्वामित्व में थी। प्रदीप सिंह खरोला एअर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया से भी जुड़े रहे। एअर इंडिया का साल 2022 में निजीकरण कर दिया गया था और टाटा ग्रुप ने सबसे बड़ी बोली लगाकर एअर इंडिया का अधिग्रहण कर लिया था। प्रदीप सिंह खरोला की की एअर इंडिया में वापसी ऐसे वक्त हुई है, जब एअर इंडिया नेतृत्व के स्तर पर बड़े बदलाव से गुजर रही है। एअर इंडिया के एमडी और सीईओ कैंपबेल विल्सन पद छोड़ने का एलान कर चुके हैं और आने वाले कुछ महीनों में वे जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाएंगे। हाल ही में एअर इंडिया ने डिजिटल ट्रैवल प्लेटफॉर्म बुकिंग डॉट कॉम के साथ भी रणनीतिक साझेदारी का एलान किया है।

फसलों पर भारी पड़ी मानसून की बेरुखी, कपास- सोयाबीन की बुआई पिछड़ी, बढ़ेगी कपड़ा उद्योग की लागत

नई दिल्ली,एजेंसी। इस बार समय से पीछे चल रहे मानसून ने खरीफ फसलों की बुआई को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण पश्चिम मानसून के तहत अब तक 43 फीसदी कम बारिश हुई है। इससे देश की दो महत्वपूर्ण नकदी फसलें कपास और सोयाबीन बुआई के शुरुआती दौर में पिछड़ गई हैं। कृषि मंत्रालय के 19 जून तक के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 17.13 लाख हेक्टेयर में कपास की बुवाई हुईध्है।घ्यह आंकड़ा एक साल पहले के 22.82 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 5.69 लाख हेक्टेयर कम है। बुवाई का यह आंकड़ा बताता है कि कपड़ा उद्योग की इस लाइफलाइन से किसान फिलहाल हाथ खींच रहे हैं। कपास के रकबे में आई शुरुआती सुस्ती अगर अगले कुछ हफ्तों में नहीं सुधरी, तो कॉटन और यार्न की कीमतों में तेजी आ सकती है, जिसका सीधा असर टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ेगा। कपास की ही तरह तिलहन क्षेत्र को भी तगड़ा झटका लगा है। इसकी मुख्य वजह सोयाबीन की बुआई में आई भारी सुस्ती है। पिछले साल की समान अवधि में सोयाबीन का रकबा 2.50 लाख हेक्टेयर था, जो इस बार 1.20 लाख हेक्टेयर की गिरावट के साथ सिर्फ 1.30 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया। सोयाबीन में इस सुस्ती के कारण तिलहन का कुल रकबा भी पिछले साल के 8.11 लाख हेक्टेयर से गिरकर 7.24 लाख हेक्टेयर रह गया। हालांकि, मूंगफली और सूरजमुखी में मामूली बढ़त है, लेकिन वे सोयाबीन के नुकसान की भरपाई करने में नाकाम रहे हैं। धान और बाजरे का रकबा बढ़ारू धान की बुआई 4.26 लाख हेक्टेयर बढ़कर 12.36 लाख हेक्टेयर पहुंच गई।घ्मोटे अनाजों जैसे बाजरा का रकबा भी 2.14 लाख हेक्टेयर से दोगुना होकर 4.05 लाख हेक्टेयर पहुंच गया।ध्ान और मोटे अनाजों में सरकारी खरीद का भरोसा एवं कम जोखिम किसानों को आकर्षित कर रहा है, जबकि कपास–सोयाबीन में वैश्विक बाजार की अनिश्चितता और कीटों का डर किसानों को डरा रहा है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा, भारत का बिखरा जल प्रबंधन ढांचा और पानी की अत्यधिक सब्सिडाइज्ड कीमतें देश के लिए बड़ा वित्तीय एवं क्रेडिट जोखिम पैदा कर रही हैं।

आईपीएल 2027 का सबसे बड़ा ट्रेड: 12 करोड़ रुपये की कटौती कर दिल्ली लौटे ऋषभ पंत, कुलदीप यादव बने लखनऊ का हिस्सा

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2027 शुरू होने में अभी काफी समय है, लेकिन उससे पहले ही एक बड़े ट्रेड ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हुए हाई–प्रोफाइल खिलाड़ी आदान–प्रदान में ऋषभ पंत अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स में लौटने जा रहे हैं, जबकि स्टार स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ सुपर जाएंट्स की जर्सी पहनेंगे। इस ट्रेड की सबसे बड़ी चर्चा ऋषभ पंत की सैलरी को लेकर है। आईपीएल के मुताबिक, पंत 15 करोड़ रुपये में दिल्ली से जुड़ेंगे। लखनऊ में उनकी सैलरी रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए थे। उन्हें आईपीएल 2025 के ऑक्शन में लखनऊ ने रिकॉर्ड 25 करोड़ देकर खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी थे। उन्हें लखनऊ ने कप्तान बनाया था, लेकिन पिछले दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ही लखनऊ ने उन्हें निकाल दिया है। लखनऊ ने यही हाल पूर्व कप्तान केएल राहुल के साथ भी किया था। पंत ने दिल्ली वापसी के लिए 12 करोड़ रुपये की बड़ी रकम की कटौती की है। वहीं, लखनऊ ने बदले में कुलदीप को 13.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। पंत को दिल्ली की कप्तानी भी सौंपी जा सकती है। पिछले दो सीजन से अक्षर पटेल टीम की कमान संभाल रहे थे, लेकिन दिल्ली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने दिल्ली के लिए अपना आईपीएल सफर शुरू किया और बाद में टीम की कप्तानी भी संभाली। वह 2016 से 2024 तक लगातार नौ सीजन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे और इस दौरान 111 मैच खेले, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा मैच हैं। पंत ने 2021 से 2024 के बीच चार सीजन में 43 मैचों में टीम की कप्तानी भी की। आक्रामक बल्लेबाजी और नेतृत्व क्षमता के कारण वह लंबे समय तक दिल्ली की पहचान बने रहे। कार एक्सीडेंट और चोट से वापसी के बाद वह लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़े थे, लेकिन अब एक बार फिर दिल्ली के साथ उनका रिश्ता जुड़ रहा है। दिल्ली के फैंस के लिए यह किसी भावनात्मक वापसी से कम नहीं होगी। पंत ने अपने आईपीएल करियर के कई यादगार पल इसी फ्रेंचाइजी के साथ बिताए हैं। दूसरी तरफ कुलदीप यादव का दिल्ली कैपिटल्स के साथ सफर भी शानदार रहा। 2022 में फ्रेंचाइजी से जुड़ने के बाद उन्होंने पांच सीजन में 65 मैच खेले और 72 विकेट हासिल किए। इस दौरान कुलदीप आईपीएल के सबसे प्रभावी विकेट लेने वाले स्पिनरों में शामिल रहे। उनकी कलाई की स्पिन और बीच के ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता ने दिल्ली को कई मैच जिताए। अब यह विश्वस्तरीय स्पिनर 13.50 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ जुड़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में कुलदीप ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। मध्य ओवरों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता लखनऊ के गेंदबाजी आक्रमण को नई धार दे सकती है। खासकर इकाना जैसे स्पिन–अनुकूल मैदान पर कुलदीप विरोधी बल्लेबाजों के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। यह ट्रेड सिर्फ खिलाड़ियों की अदला–बदली नहीं है, बल्कि दो फ्रेंचाइजियों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत भी है। दिल्ली ने अपने पुराने स्टार और पूर्व कप्तान को वापस लाकर भावनात्मक और क्रिकेट दोनों मोर्चों पर बड़ा दांव खेला है, जबकि लखनऊ ने भारतीय स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज को अपने साथ जोड़ा है। आईपीएल 2027 से पहले इस ट्रेड ने लीग के समीकरण बदल दिए हैं और अब सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि पंत की घर वापसी और कुलदीप की नई शुरुआत अपनी–अपनी टीमों को कितना फायदा पहुंचाती है। खास बात यह भी है कि लखनऊ के निकाले गए दो पूर्व कप्तान राहुल और पंत अब एक ही टीम दिल्ली से खेलते दिखेंगे।

अचानक क्यों भावुक हुए वैभव सूर्यवंशी ? कहा- जिस सपने के लिए बैट उठाया था, वह आज पूरा हुआ

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी के लिए सोमवार का दिन बेहद खास रहा। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चुने गए 15 वर्षीय बल्लेबाज को पहली बार टीम इंडिया की जर्सी मिली। तीन स्टार वाली नीली जर्सी हाथ में लेते ही वैभव भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि जिस सपने के साथ उन्होंने बचपन में बल्ला उठाया था, वह अब सच होता नजर आ रहा है। हालांकि उन्हें अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का इंतजार है, लेकिन भारतीय टीम का हिस्सा बनना ही उनके लिए किसी सपने के पूरा होने से कम नहीं है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरी दुनिया में तहलका मचा देने वाले वैभव सूर्यवंशी ने उस भावनात्मक पल को याद किया है, जब उन्हें पहली बार भारतीय टीम की जर्सी दी गई। वैभव ने कहा है कि उस पल उन्हें लगा कि सबसे पहली बार उन्होंने बैट क्यों उठाया था। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में वैभव ने कहा, इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैंने जिस वजह से पहले दिन से बल्ला उठाया और अभ्यास के लिए मैदान पर गया। वह सपना अब पूरा हो गया है। उस सफर का सबसे बड़ा कदम आज पूरा हुआ। मैं सच में इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। वैभव ने कहा, श्मैंने जब वह टी–शर्ट देखी तो मुझे ऐसा लगा जैसे यह एक सपना हो। मैं मुस्कुराना बंद नहीं कर सका। कभी–कभी ऐसी चीजें हो जाती हैं जिनके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। हमें उस समय प्रतिक्रिया देने किए शब्द नहीं मिलते। मुझे भी बिल्कुल ऐसा ही लगा। बीसीसीआई ने वीडियो का कैप्शन दिया है, लेडीज एंड जेंटलमेन, जिस पल का देश इंतजार कर रहा था, वो आ गया है। वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया की जर्सी में, इस बहुत खास पल के गवाह बनें। वैभव सूर्यवंशी को 15 साल और 71 दिन की उम्र में आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय सीनियर टीम में चुना गया था। वैभव ने अपने चयन के साथ ही सबसे कम उम्र में चुने जाने का सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। तेंदुलकर ने 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ इंडिया के लिए डेब्यू किया था। अगर सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू का मौका मिलता है, तो वह भारतीय सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की तरफ से आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करने और ऑरेंज कैप का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम में शामिल किया गया। वैभव ने आईपीएल 2026 में आरआर के लिए 16 मैचों में एक शतक और पांच अर्धशतक लगाते हुए 776 रन बनाए थे।

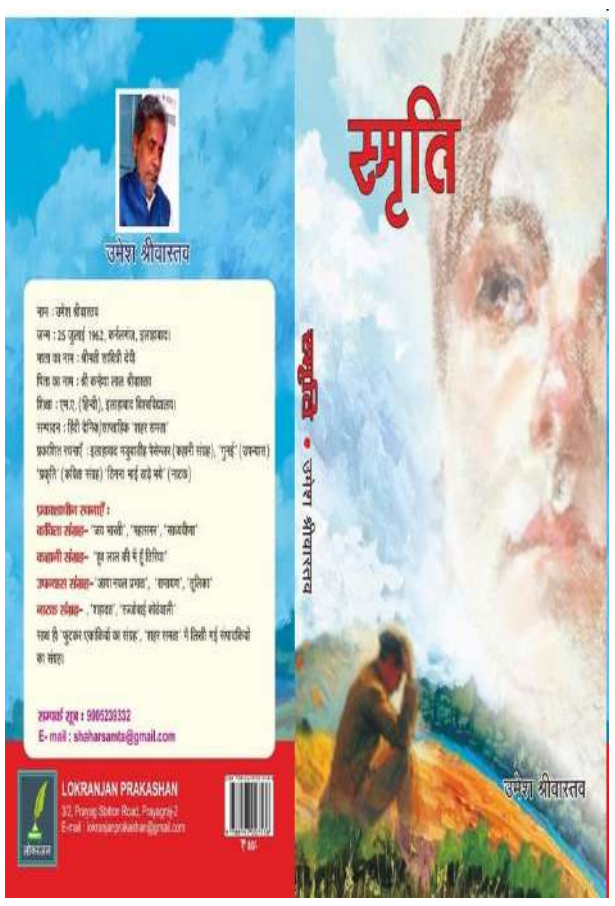

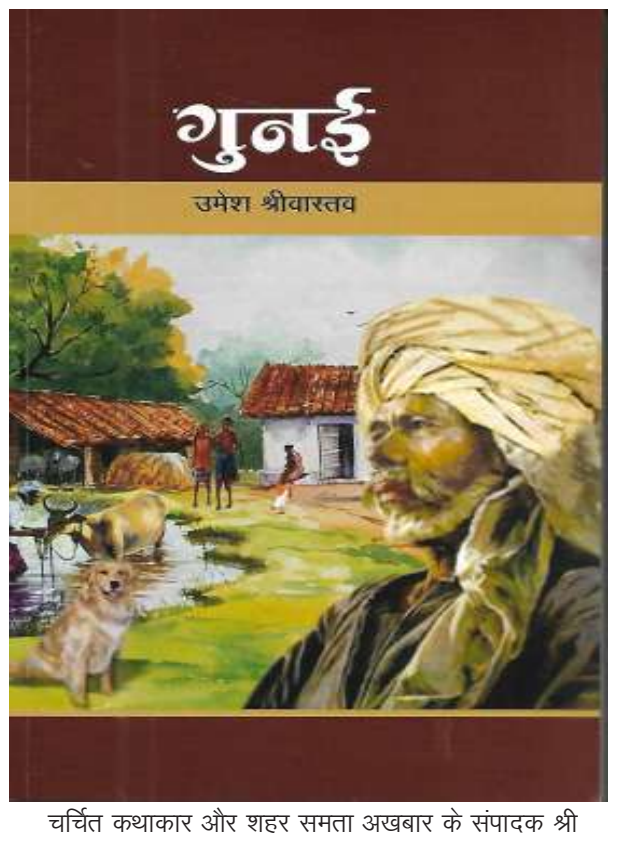

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

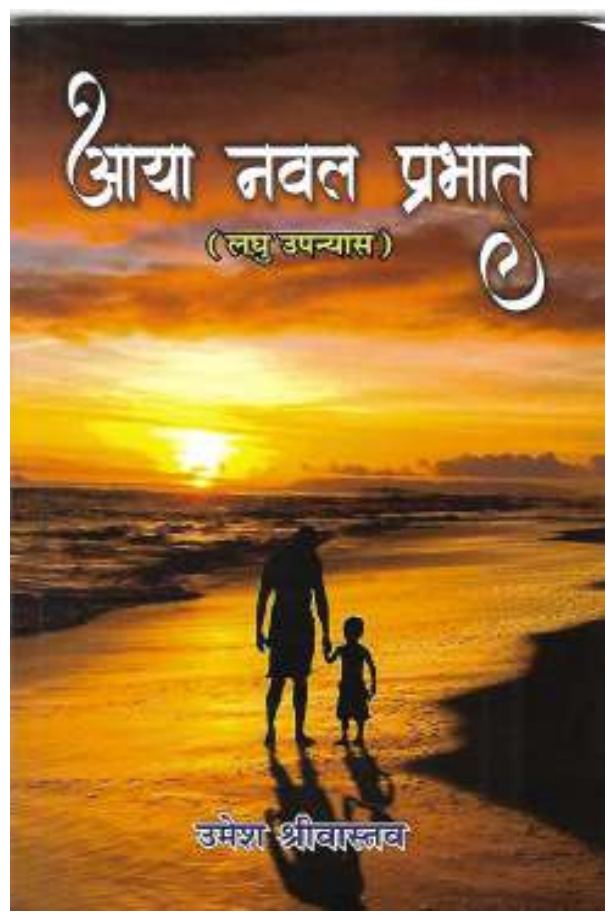

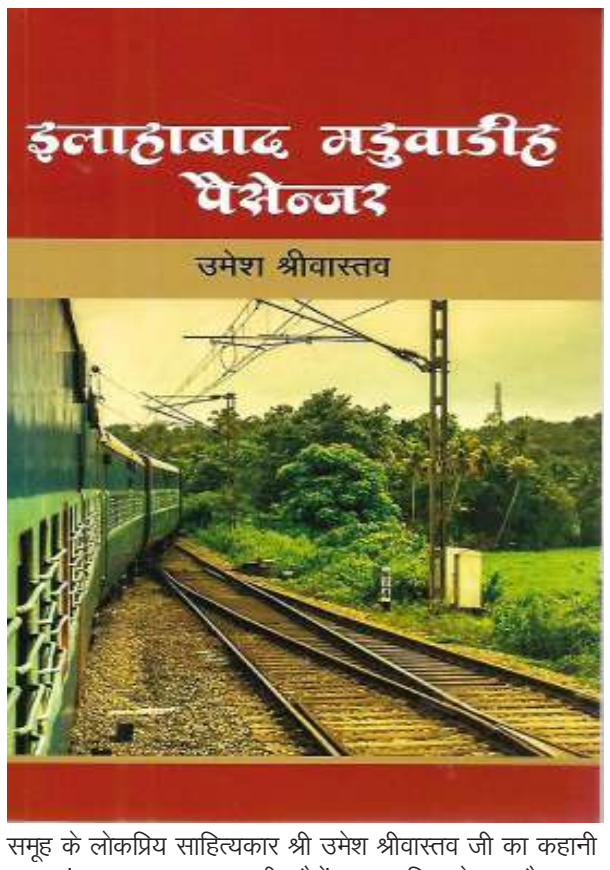

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

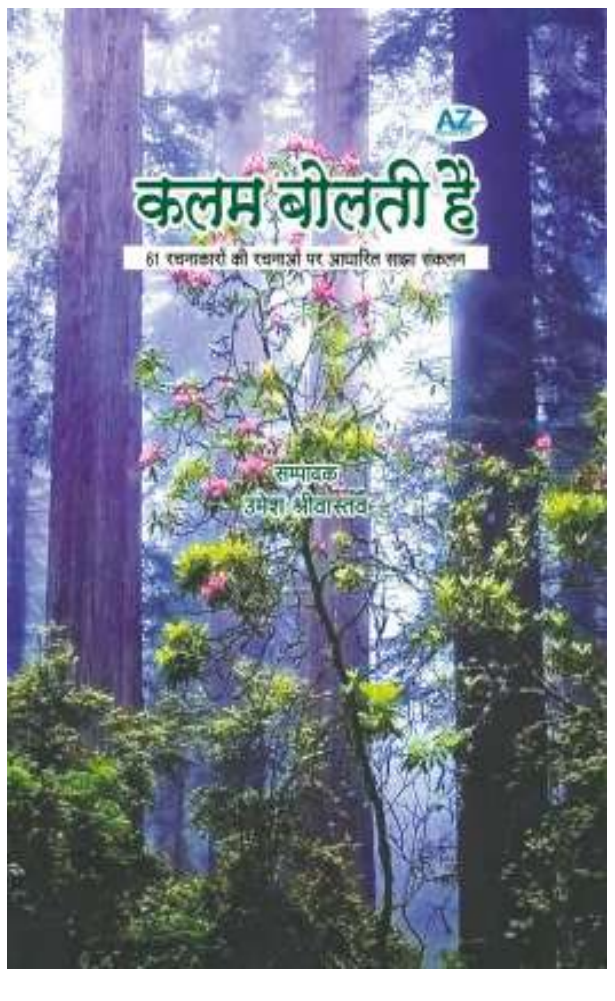

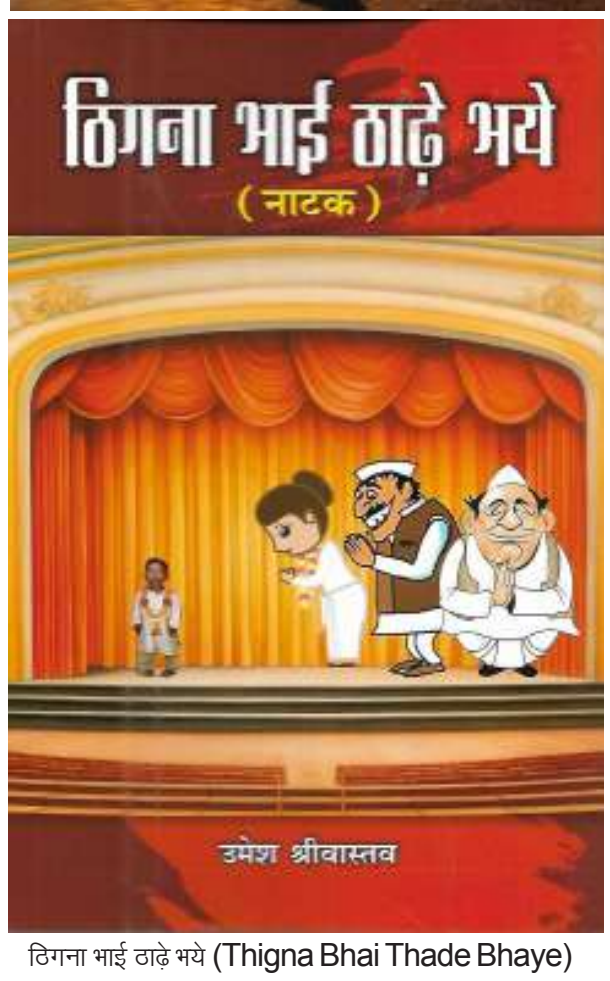

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

US: ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर, सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है। औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी

हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (OMB) ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। अतिरिक्त रक्षा बजट को लेकर सांसदों में संशय ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। सैन्य सामग्री के भंडार को फिर से भरना होगा सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, श्जब यह प्रस्ताव आएगा, तब हम इस पर विचार करेंगे और देखेंगे कि इसे कितना समर्थन मिलता है।श थ्यून ने कहा कि अमेरिका को अपने हथियारों और सैन्य सामग्री के भंडार को फिर से भरना होगा, जो न केवल ईरान से जुड़े घटनाक्रमों बल्कि उससे पहले की परिस्थितियों के कारण भी काफी हद तक कम हो चुके हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इस फंडिंग प्रस्ताव को उन सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है जो ट्रंप के युद्ध संबंधी फैसले का समर्थन नहीं करते और बढ़ती महंगाई के बीच रक्षा बजट में और वृद्धि के पक्ष में नहीं हैं। डेमोक्रेटिक सीनेटर पैटी मरे ने पिछले महीने एक सुनवाई के दौरान हेगसेथ से कहा था, श्आप उन परिवारों की मेहनत की कमाई से जुटाए गए कर के पैसे को ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं, जिसका बड़ी संख्या में लोग विरोध कर रहे हैं।

संक्षिप्त

प्राचीन टक्करों के शोध से सुलझेगा चंद्रमा की उत्पत्ति का रहस्य, दक्षिण ध्रुव-ऐटकेन बेसिन की नई पड़ताल

वॉशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के सबसे बड़े और सबसे पुराने प्रभाव–गर्त (इम्पैक्ट बेसिन) दक्षिण ध्रुव–ऐटकेन (साउथ पोल–ऐटकेन या एसपीए) बेसिन को लेकर हुए नए शोध ने

संकेत दिया है कि अरबों वर्ष पहले हुई एक विशाल खगोलीय टक्कर ने चंद्रमा के भीतर गहराई में मौजूद पदार्थ को सतह के अपेक्षाकृत करीब ला दिया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में नासा के आर्टेमिस मिशनों के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाले अंतरिक्ष यात्री इन चट्टानों का अध्ययन कर चंद्रमा की उत्पत्ति, विकास और आंतरिक संरचना से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों के जवाब खोज सकते हैं। यह निष्कर्ष नासा से जुड़े वर्चुअल शोध संगठन सेंटर फॉर लूनर ओरिजिन एंड इवोल्यूशन (सीएलओई) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए दो पूरक अध्ययनों से सामने आया है। इनमें से एक अध्ययन साइंस एडवांसेज पत्रिका में और दूसरा जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च प्लैनेट्स में प्रकाशित हुआ है। दक्षिण ध्रुव–ऐटकेन बेसिन चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से (फार साइड) पर स्थित है और इसे सौर मंडल की सबसे पुरानी संरक्षित टक्कर– जनित संरचनाओं में गिना जाता है। इसका आकार काफी विशाल है। चंद्रमा के भीतर से निकला पदार्थ शोध के अनुसार इस विशाल टक्कर ने चंद्रमा की सतह पर गहरा और असमान गड्ढा बना दिया। टक्कर से उत्पन्न अत्यधिक ताप के कारण बेसिन के केंद्रीय भाग में बड़ी मात्रा में चट्टानें पिघल गईं। साथ ही चंद्रमा की ऊपरी परत (क्रस्ट) और उससे नीचे स्थित मेंटल से भारी मात्रा में पदार्थ अंतरिक्ष में उछल गया। बाद में यह पदार्थ वापस चंद्रमा पर गिरा और बेसिन तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में जमा हो गया। यही जमा सामग्री बेहद खास है।

चार वर्ष पूर्व दी स्टार्मर को चुनौती, संसद पहुंचे तो सत्ता से हटाया, नया पीएम चुना जाना तय

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और नए पीएम की कुर्सी के संभावित दावेदार माने जा रहे एंडी बर्नहैम के बीच सियासी तकरार कोई नई नहीं है। बर्नहैम अप्रैल 2020 में लेबर पार्टी नेता बने स्टार्मर के नेतृत्व पर गाहे–बगाहे सवाल उठाते रहे हैं। चार साल पहले उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई थी कि स्टार्मर उन्हें लेबर पार्टी के मुख्य मंच पर अपनी

बातें रखने का मौका नहीं देते हैं। उस समय बर्नहैम ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर थे और उन्होंने इसे अपने पद का अनादर बताया था। हालिया संसदीय उपचुनाव में मेकरफील्ड से शानदार जीत दर्ज करके संसद पहुंचे बर्नमैन ने अब अपनी स्थिति को इतना मजबूत लिया कि स्टार्मर को सीधे सत्ता से ही बाहर करने में सफल रहे। बर्नहैम का दावा है कि लेबर पार्टी में केवल उनके पास ही वह राजनीतिक आकर्षण और दूरदृष्टि है जो मतदाताओं से जुड़ सकती है और निजेल फराज के नेतृत्व वाली रिफॉर्म यूके पार्टी को हरा सकती है। प्रवासन नीतियों को लेकर लेबर सरकार के खिलाफ मुखर यह पार्टी पिछले साल की शुरुआत से ही हर चुनावी सर्वेक्षण में आगे चल रही है। कोविडकाल में अपने क्षेत्र में बचाव अभियान के लिए किंग ऑफ नार्थ का तमगा पाने वाले बर्नहैम को किंग ऑफ द नार्थ कहा जाने लगा था। क्यों आसान नहीं होगी बर्नहैम की राह? पार्टी सांसद भी उनकी क्षमताओं के कायल है, जैसा एलेक्स सोबेल ने कहा–बर्नहैम ने ऐसी दूरदृष्टि दिखाई है जिसके मतदाताओं को लुभा सकते हैं। बहरहाल, अगर बर्नहैम को कुर्सी मिलती है तो उन्हें असंतुष्ट मतदाताओं को अपने पाले में लाना होगा। स्टार्मर ने 2024 में लेबर पार्टी को बड़ी चुनावी जीत दिलाई थी, लेकिन उसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। लेबर पार्टी नेता के चुनाव में दो बार रहे असफल बर्नहैम का जन्म लिवरपूल में हुआ था, जहां उनके पिता टेलीफोन इंजीनियर और मां रिसेप्शनिस्ट थीं। उन्होंने कैंबिज से पढ़ाई की और राजनीति में पहचान बनाने के जाने–माने रास्ते पर चल पड़े। पहले संसद में रिसर्चर और फिर सलाहकार बने। उन्होंने सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के कार्यकाल में एक जूनियर मंत्री के रूप में काम किया, और बाद में गॉर्डन ब्राउन के कार्यकाल में संस्कृति मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री रहे। साल 2010 और 2015 में उन्होंने लेबर पार्टी का नेता बनने के लिए चुनाव लड़ा और दोनों ही बार असफल रहे। बिना मुकाबले चुने जाने की संभावना स्टार्मर के पद छोड़ने से पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि बर्नहैम के अलावा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, एंजेला रेनर और यवेट कूपर भी संभावित दावेदारों में शामिल है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

'ईरान ही करेगा होर्मुज का प्रबंधन, जंग से पहले जैसी स्थिति असंभव,' स्पीकर गालिबाफ की दो-टूक

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब युद्ध से पहले वाली स्थिति में कभी नहीं लौटेगा। गालिबाफ ने साफ किया कि अब ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते का प्रबंधन अपने इंतजामों के हिसाब से करेगा, हालांकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन किया जाएगा। गालिबाफ ने अमेरिका के साथ हुई तकनीकी बातचीत के बाद बताया कि ईरान ने इन चर्चाओं में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के दबाव की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट भी बदलनी पड़ी। इस पोस्ट में ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि वह लेबनान में हिजबुल्लाह जैसे अपने सहयोगी समूहों की मदद करना बंद करे। गालिबाफ ने इसे ईरान के कूटनीतिक प्रभाव का बड़ा सबूत बताया। क्षेत्रीय स्थिति पर बात करते हुए गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, न अब करते हैं और भविष्य में भी उन पर अविश्वास करना ही सही होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर ईरान स्विट्जरलैंड की बातचीत में शामिल नहीं होता, तो लेबनान में मुसलमानों और शियाओं का और ज्यादा खून बहता। उनके अनुसार, इन वार्ताओं ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने में मदद की है। ईरानी संसद अध्यक्ष ने देश की एकता पर जोर देते हुए कहा कि सभी को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व में एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खामेनेई का फैसला और निर्देश ही अंतिम होगा।

गालिबाफ ने बातचीत के फायदों का जिक्र करते हुए बताया कि इसके परिणामस्वरूप ईरान के रोके गए पैसे वापस मिलेंगे और तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी। यह बातचीत अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी खत्म करने के लिए हुए 14 सूत्रीय समझौते (डवन) का हिस्सा थी। फिलहाल, दोनों पक्ष एक उच्च–स्तरीय समिति बनाने और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के रोडमैप पर सहमत हुए हैं।

'मैं प्रॉब्लम सॉल्वर हूं, बीबी का मामला भी सुलझा दूंगा': इस्राइल के सवाल पर भड़के ट्रंप, स्टार्मर को भी घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ताजा बयानों ने वैश्विक हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने का बड़ा दावा किया है। जब ट्रंप से पूछा गया कि

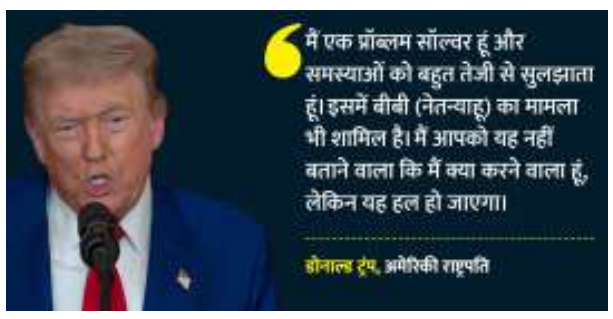

वे इस्राइली पीएम को अमेरिका–ईरान बातचीत में बाधा डालने से कैसे रोकेंगे, तो उन्होंने खुद को समस्या सुझाने वाला (प्रॉब्लम सॉल्वर) बताया। ट्रंप ने कहा कि वे अपनी योजना का खुलासा नहीं करेंगे, लेकिन वे इस समस्या को बहुत जल्दी सुलझा लेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि वे बीबी (नेतन्याहू) से जुड़े मामले को भी सुलझा लेंगे। ट्रंप का यह बयान नेतन्याहू के कल के बयान के बाद आया है कि इस्राइली सेना लेबनान में बनी रहेगी। ट्रंप ने स्टार्मर को घेरा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने स्टार्मर की आलोचना इसलिए की क्योंकि उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत गलतियां कीं। ट्रंप के अनुसार, ब्रिटेन ने हर जगह पवन चक्कियां लगा दी हैं, जबकि उनके पास उत्तरी सागर में तेल का बड़ा भंडार मौजूद है। पर्यावरण के नाम पर वहां तेल निकालने की अनुमति नहीं दी गई, जो एक गलत फैसला था। ट्रंप ने नाटो के मुद्दे पर भी स्टार्मर की भूमिका को खराब बताया। उन्होंने कहा कि स्टार्मर ने कुछ हफ्तों के लिए एक द्वीप का इस्तेमाल करने से मना कर दिया था। ट्रंप के मुताबिक, इस फैसले ने स्टार्मर की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया। ट्रंप ने आगे कहा कि स्टार्मर के सामने तीन बड़ी चुनौतियां थीं– ऊर्जा संकट, अवैध प्रवासियों का आना और बढ़ता अपराध। इन समस्याओं को न संभाल पाना ही उनकी विफलता का कारण बना। हालांकि, ट्रंप ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस्राइल ने क्या कहा था? वहीं ट्रंप के इन बयानों से पहले इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने ईरान और लेबनान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कल उन्होंने कहा जब तक वे प्रधानमंत्री हैं, ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि चाहे कोई समझौता हो या न हो, वे ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे। लेबनान के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में बनी रहेगी। उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए अपनी कार्रवाई को सही ठहराया। नेतन्याहू ने कहा कि अगर किसी और देश पर हजारों आतंकवादी रॉकेट और मिसाइलें दागते, तो वह देश भी अपनी सुरक्षा के लिए सीमा पार जाकर आतंकियों को खत्म करता। उन्होंने साफ किया कि जब तक इस्राइल के लोगों पर खतरा बना रहेगा, उनकी सेना वहां से नहीं हटेगी। नेतन्याहू ने कहा कि वे अपने नागरिकों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे।

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई। एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल

पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट–डेस–नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है। मकसद का पता लगाने की कोशिश में पुलिस उन्होंने पत्रकारों से कहा, श्यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।श डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11रू35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। सुबह चार–पांच गोलियों की आवाज सुनी डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार–पांच गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद, पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे और उन्होंने और भी गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने आगे बताया कि हमने पुलिसकर्मियों को गोलीबारी में उलझते और गोली लगने से घायल होते देखा। दो मेट्रो लाइनों के हिस्सों को बंद किया उनका अनुमान है कि उन्होंने 30 या 40 गोलियों की आवाज सुनी।

पाकिस्तानी मूल की मंत्री से लेकर भारत समर्थक नेताओं तक, ब्रिटेन के अगले पीएम की रेस में कौन-कौन?

एजेंसी/ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने सोमवार (22 जून) को अपने पद से इस्तीफे का एलान कर दिया। अपने भाषण में स्टार्मर ने पीएम के तौर पर कार्यकाल की कई उपलब्धियां गिनाईं। साथ ही लेबर पार्टी को 2024 में सत्ता में लौटाने के लिए चलाए गए चुनाव अभियान पर भी बात की। करीब दो साल बाद

ही प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के एलान के साथ वे भावुक हो गए। स्टार्मर के इस्तीफे के साथ ही अब लेबर पार्टी में एक बार फिर नेतृत्व की दौड़ शुरू हो गई है। मौजूदा समय में कई बड़े नामों के प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी पेश करने की चर्चा है। इनमें मौजूदा सरकार में गृह मंत्री– शबाना महमूद से लेकर हाल ही में कैबिनेट से इस्तीफा देने वाले– अल–कार्न्स तक के नाम शामिल हैं। आइये जानते हैं कि लेबर पार्टी में हालिया समय में मची उथल–पुथल के बीच कौन से बडेघ चेहरे अब प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश कर सकते हैं? जिन नामों की चर्चा है, वे कौन हैं और उनका राजनीतिक इतिहास क्या रहा है? भारत को लेकर इन नेताओं का क्या रुख रहा है? सियासी सफररू बर्नहैम ने 2001 से 2017 तक लेह के सांसद के रूप में काम किया। उन्होंने गॉर्डन ब्राउन की सरकार में वित्त मंत्री, संस्कृति मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री जैसे प्रमुख कैबिनेट पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। 2017 में वे ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर चुने गए और 2021 और 2024 में भी इस पद पर भारी बहुमत से दोबारा जीत दर्ज की। जून 2026 में हुए मेकर्सफील्ड उपचुनाव में शानदार जीत हासिल कर उन्होंने संसद में वापसी की, जिसके कारण उन्हें मेयर पद से इस्तीफा देना पड़ा। उन्हें अगला पीएम बनने की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

'अगर ईरान समझौते से पीछे हटा तो मैं वहीं करूंगा, जो मुझे करना होगा', ट्रंप ने दी धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान वॉशिंगटन के साथ हुए समझौते का पालन नहीं करता है, तो वह जो करना होगा, वह करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ष्अगर ईरान अपने समझौते से पीछे हटता है या उसका व्यवहार ठीक नहीं रहता, तो मैं वही करूंगा जो मुझे करना होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब हाल ही में स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच पश्चिम एशिया में शांति कायम करने के लिए वार्ता का पहला दौर पूरा हुआ है। बीते हफ्ते ही ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पिछले सप्ताह एक अंतरिम अमेरिका–ईरान समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ईरानी संपत्तियों को मुक्त करने पर ट्रंप ने रखी क्या शर्त? डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के जिन वित्तीय संसाधनों पर से प्रतिबंध हटाया जा रहा है, उनका इस्तेमाल केवल अमेरिका से खाद्य सामग्री खरीदने के लिए किया जाना चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।